ज्येष्ठ शुक्ल - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 308 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 06-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मैं कभी रोड शो का समर्थक नहीं था, 2007 में भी इसके पक्ष में नहीं था : गौतम गंभीर

6 एक बार फिर से भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

7 'छोटे कपड़े' पहनने वाली महिलाएं अच्छी नहीं लगतीं : कैलाश विजयवर्गीय

फर्स्ट टेक

कभी श्रद्धालुओं पर गोलियां चलती थीं, आज पुष्प वर्षा होती है : आदित्यनाथ

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी अयोध्या आने वाले रामभक्तों पर गोलियां चला करती थीं और श्रद्धालुओं पर लाठी डंडे बरसाकर उन्हें प्रताड़ित किया जाता था, लेकिन आज श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा होती है तथा उन्हें पीने के लिए शुद्ध पानी मिलता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या आज पूरी दुनिया के सामने 'अतिथि देवो भव:' की नई परिभाषा गढ़ रही है। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान चौधरी चरण सिंह पुष्प वाटिका में पौधारोपण किया।

पाकिस्तान से वापस भेजी गई नागपुर की महिला के फोन में मिले 'स्पाईवेयर'

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के नागपुर की रहने वाली सुनीता जामगड़े के मोबाइल फोन में संदिग्ध 'स्पाइवेयर' जैसे ऐप (एप्लिकेशन) मिले हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुनीता को पिछले महीने पाकिस्तान द्वारा वापस भेजे के बाद जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि 43 वर्षीय महिला के पाकिस्तान में घुसने की घटना ने सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता पैदा कर दी है। एजेंसियां जासूसी से जुड़े संभावित संबंधों की जांच कर रही हैं। कपिलनगर थाने के एक अधिकारी ने बताया, पुलिस को उसके (सुनीता के) फोन में कई संदिग्ध एप्लिकेशन मिले हैं, जिनके 'स्पाइवेयर' होने का संदेह है। इन ऐप का मकसद जानने के लिए उनका विश्लेषण किया जा रहा है।

अमेरिका ने 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध की घोषणा की

डाकार (सेनेगल)/वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बुधवार को 12 देशों, मुख्य रूप से अफ्रीका और पश्चिम एशिया के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया तथा सात अन्य देशों से आने वाले नागरिकों पर भी आंशिक पाबंदियां लगाई गई हैं। इन 12 देशों में अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। इसके अलावा बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला के उन नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है जो अमेरिका से बाहर हैं और जिनके पास वैध वीजा नहीं है। इन देशों पर यात्रा प्रतिबंध सोमवार रात 12 बजकर एक मिनट से लागू होंगे।

06-06-2025 सूर्यास्त 6:44 बजे | 07-06-2025 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
81,442.04 (+443.79)	24,750.90 (+130.70)

सोना	चांदी
10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	100,550 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हादसा या हत्या

मर गए भीड़ में कई लोग,
सकते में जनता सारी है।
दोषारोपण इक दूजे पर,
ज्यों इन्द्रजाल अय्यारी है।
जब क्षमता कम थी तो बोलो,
फ्री पाश किये क्यों जारी है।
हत्या है ये हादसा नहीं,
किसकी यह जिम्मेदारी है।।

अयोध्या में गंगा दशहरा पर

राम मंदिर में 'राजा राम' और अन्य देव विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर भगवान राजा राम, देवी सीता, भाई लक्ष्मण,भरत शत्रुघ्न और राम भक्त हनुमान से सजे राम दरबार का पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने आठ मंदिरों में भी देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

इस आयोजन के दौरान शहर में उत्सव का माहौल रहा मंदिर परिसर को और आसपास के इलाकों को रंगीन रोशनी और फूलों से सजाया गया था। पुजारी भजनों और विस्तृत अनुष्ठानों के बीच राजा राम की लगभग पांच फुट ऊंची सफेद संगमरमर से बने विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के लिए राम मंदिर की पहली मंजिल पर एकत्र हुए।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ यह अनुष्ठान इस मंदिर में आयोजित दूसरा प्रमुख प्राण-प्रतिष्ठा समारोह था। इससे पहले, 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

बृहस्पतिवार का यह समारोह 'अभिजीत मुहूर्त' के दौरान हुआ। हिंदू पंचांग में इसे सबसे शुभ घड़ियों में से एक माना जाता है।

एक बयान के मुताबिक राम मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान राम की विधिवत पूजा की और उनकी आरती उतारी। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री ने भक्तों के साथ संवाद किया और उनका अभिवादन स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित राम दरबार में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया। इस समारोह में मां सीता के साथ सिंहासन पर विराजमान भगवान राम, उनके साथ खड़े भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के विग्रहों के साथ-साथ भगवान हनुमान के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुई। मुख्यमंत्री ने श्रीराममलला मंदिर के मुख्य परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में भी गये, जहां विभिन्न देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई।

गौरवशाली और ऐतिहासिक अवसर : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या ने 'राम दरबार' की प्राण प्रतिष्ठा और राम जन्मभूमि परिसर में आठ नवनिर्मित मंदिरों में मूर्तियों की स्थापना के बाद एक और गौरवशाली और ऐतिहासिक क्षण देखा है। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, भव्य-दिव्य राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा का ये पावन अवसर समस्त रामभक्तों को श्रद्धा और आनंद से भावविभोर करने वाला है। उनकी कामना है कि भगवान श्री राम सभी देशवासियों को सुख-समृद्धि और आरोग्य का आशीर्वाद दें।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई भगदड़ के मामले में

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त को निलंबित करने का आदेश

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने दिया आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई भगदड़ के मामले में बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त और कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने मामले की जांच कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल कुन्हा की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय न्यायिक आयोग को सौंपते हुए, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी), डीएनए इवेंट मैनेजर्स और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी का भी आदेश दिया है।

सिद्दरामय्या ने कहा, आज मंत्रिमंडल की बैठक हुई और कल की त्रासदी पर विस्तार से चर्चा की गई। कैबिनेट ने अपने विवेक से इस घटना की जांच कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल कुन्हा की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय न्यायिक आयोग को सौंपने का निर्णय लिया है और हमने आयोग से 30 दिनों में रिपोर्ट देने को कहा है। कैबिनेट बैठक के बाद यहां पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को आरसीबी, डीएनए इवेंट मैनेजर्स और कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएसीए) के प्रतिनिधियों को तुरंत गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है।

सीआईडी करेगी बेंगलूरु स्टेडियम भगदड़ की जांच

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय को सूचित किया कि यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने मची भगदड़ की जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी गई है, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। गहन और स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करने के लिए सीआईडी के अंतर्गत एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा।

सरकार ने अदालत को एक स्थिति रिपोर्ट सौंपी, जिसमें पुष्टि की गई कि भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत कब्बन पार्क पुलिस थाने में एक प्राथमिकी (अपराध संख्या 123/2025) दर्ज की गई है, जिसमें धारा 105, 125 (1)(2), 132, 121/1 और 3(5) के साथ पठित धारा 190 शामिल है।

इसमें कहा गया है कि मामला अब औपचारिक रूप से सीआईडी को सौंप दिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए

यूक्रेन, रूस को कुछ समय तक लड़ने देना बेहतर होगा : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूक्रेन और रूस को अलग करने तथा शांति स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ने से पहले इन दोनों को कुछ समय तक लड़ने देना बेहतर होगा।

ट्रंप ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान यूक्रेन में युद्ध की तुलना दो बच्चों के बीच लड़ाई से की, जो एक-दूसरे से नफरत करते हैं।

रूस ने 2022 की शुरुआत में यूक्रेन पर आक्रमण किया था।

ट्रंप ने कहा, कभी-कभी उन्हें कुछ देर तक लड़ने देना और फिर उन्हें अलग कर देना बेहतर होता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने बुधवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर बातचीत में इस बात को दोहराया था।

ट्रंप ने प्रतिबंधों की धमकी को अभी भी बरकरार रखा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और रूस, दोनों पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ट्रंप ने कहा, जब मैं देखूंगा कि युद्ध रुकने वाला नहीं है तो हम बेहद कठोर रुख अपनाएंगे।

ट्रंप ने कर विधेयक पर मस्क की आलोचना पर निराशा जताई

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व समर्थक और सलाहकार एलन मस्क के रुख को लेकर बृहस्पतिवार को अपनी 'निराशा' जाहिर की। दिग्गज कंपनी टेस्ला एवं सोशल मीडिया मंच एक्स के प्रमुख मस्क ने ट्रंप के हस्ताक्षर वाले एक विधेयक की आलोचना की है। मस्क ने सोशल मीडिया पर ट्रंप के 'बिग ब्यूटीफुल' विधेयक की वजह से संघीय घाटा बढ़ने की आशंका जताई है। ट्रंप ने मस्क के इस आलोचनात्मक रुख पर कहा कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क को अब भी व्हाइट हाउस की याद सता रही है।

अमेरिका, चीन व्यापार वार्ता बहाल करने को तैयार

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बातचीत के बाद कहा कि दोनों देश सीमा शुल्क एवं दुर्लभ खनिजों की वैश्विक आपूर्ति पर बना गतिरोध खत्म करने के लिए व्यापार वार्ता दोबारा शुरू करेंगे। ट्रंप के दूसरा कार्यकाल संभालने के बाद से चिनफिंग के साथ यह उनकी पहली बातचीत थी। इसके पहले दोनों नेताओं के बीच बातचीत जनवरी में ट्रंप के शपथ ग्रहण के पहले हुई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में व्यापार वार्ता के संदर्भ में कहा, हमारी संबंधित टीमें जल्द ही निर्धारित स्थान पर मिलेंगी। इस वार्ता में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर वार्ता में अमेरिकी पक्ष का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम जमानत दी

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सांप्रदायिक टिप्पणियों वाला वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली को बृहस्पतिवार को अंतरिम जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि उसके खिलाफ शिकायत में किसी संज्ञेय अपराध का खुलासा नहीं हुआ है। कानून की छात्रा पनोली (22) को पिछले सप्ताह हरियाणा के गुरुग्राम से कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ कोलकाता के गार्डन रीच थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की पीठ ने आदेश दिया कि उसे 10,000 रुपये की जमानत राशि और मुचलके पर रिहा किया जाए तथा मामले की जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। अदालत ने उन्हें बिना अनुमति के देश नहीं छोड़ने का भी निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने पुलिस को पनोली को सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया, क्योंकि उसने शिकायत की थी कि उसके सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उसे धमकियां मिल रही हैं। यह प्राथमिकी एक वायरल वीडियो के मद्देनजर दर्ज की गई थी, जिसमें उसने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बॉलीवुड अभिनेताओं की आलोचना करते हुए विवादास्पद टिप्पणी की थी।

प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का विस्तार किया

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और पृथ्वी के हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान देने का आग्रह भी किया।
- दिल्ली सरकार की सतत परिवहन पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों को भी मोदी ने हरी झंडी दिखाई।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के भगवान महावीर वनस्थली उद्यान में एक पौधा लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम' पहल को आगे बढ़ाया और राष्ट्रीय राजधानी से गुजरात तक फैली 700 किलोमीटर लंबी अरावली पर्वत श्रृंखला में पुनः वनरोपण करने की विशेष पहल की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक अरावली पर्वतमाला गुजरात, राजस्थान, हरियाणा से लेकर दिल्ली तक फैली है तथा यह क्षेत्र अनेक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है और इनके समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान इस पर्वतमाला से जुड़े क्षेत्रों का कायाकल्प करने पर है। हम संबंधित स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे और जल प्रणालियों में सुधार, धूल भरी आंधी पर अंकुश लगाने, थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर विस्तार को रोकने आदि पर जोर देंगे।

मोदी ने कहा, अरावली पर्वतमाला और उसके बाहर, पारंपरिक पौधरोपण विधियों के अलावा, हम नई तकनीकों को प्रोत्साहित करेंगे, विशेष रूप से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जहां जगह की कमी है। पौधरोपण गतिविधियों को 'जियो-टैग' किया जाएगा और मेरी 'लाइफ पोर्टल' पर उनकी निगरानी की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और पृथ्वी के हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान देने का आग्रह भी किया। उन्होंने दिल्ली सरकार की सतत परिवहन पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों को भी हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री ने कहा, इससे दिल्ली के लोगों के लिए 'जीवन सुगमता' भी बढ़ेगी।

'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 29 जिलों में अरावली के आसपास के पांच किलोमीटर के बफर क्षेत्र में हरित आवरण का विस्तार करने की एक प्रमुख पहल है।

अपने हवाई अड्डों पर हमलों का जवाब देगा रूस : क्रेमलिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

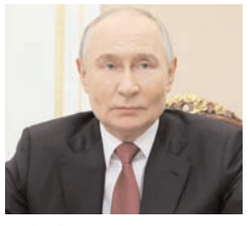

मॉस्को/भाषा। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय 'क्रेमलिन' ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेना जब तय करेगी तब रूस अपने हवाई अड्डों पर हुए यूक्रेनी ड्रोन हमलों का जवाब देगा।

यूक्रेन ने एक जून को रूस के मरमंस्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रियाजान और अमूर क्षेत्रों में हवाई अड्डों पर ड्रोन हमले किए थे।

रूस कब और कैसे जवाबी कार्रवाई कर सकता है, इस बारे में मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा, हमारी सेना जब और जिस तरह से उचित समझेगी, उस तरह से जवाब दिया जाएगा।

बुधवार की रात, अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर हुई बातचीत के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेनी ड्रोन हमले का जरूर जवाब देगा।

रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने बुधवार को कहा कि एक जून को यूक्रेन के हमले के बाद क्षतिग्रस्त हुए रूसी विमानों की मरम्मत की जाएगी। उन्होंने सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' से कहा, जैसा कि रक्षा मंत्रालय ने कहा है, ये विमान नष्ट नहीं हुए बल्कि क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इनकी मरम्मत की जाएगी।

क्या महुआ मोइत्रा ने पिनाकी मिश्रा से कर ली शादी?

दोनों बर्लिन में शादी के बंधन में बंध चुके हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर कयास जारी हैं कि तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने जर्मनी में आयोजित एक निजी समारोह में वरिष्ठ बीजद नेता पिनाकी मिश्रा से शादी कर ली है।

हालांकि दोनों ही नेताओं ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। उन्होंने ऐसी चर्चाओं का खंडन भी नहीं किया है। बताया जा रहा है कि दोनों एक पखवाड़ा पहले बर्लिन में शादी के बंधन में बंध चुके हैं।

महुआ मोइत्रा पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से दूसरी बार लोकसभा सांसद हैं। वहीं, पिनाकी मिश्रा ओडिशा की पुरी सीट से सांसद रह चुके हैं। शादी के बारे में दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। वहां लोग टिप्पणियां कर उनसे स्थिति स्पष्ट करने के लिए कह रहे हैं। कई लोग उन्हें बधाई भी दे रहे हैं।

महुआ मोइत्रा का जन्म 12 अक्टूबर, 1974 को असम के कछार जिले के लाबाक में द्विपेंद्र लाल मोइत्रा के घर हुआ था। वे एक बंगाली हिंदू ब्राह्मण परिवार से आती हैं। उन्होंने वर्ष 1998 में अमेरिका के मैसाचुसेट्स में माउंट होलोके कॉलेज साउथ हैडली से अर्थशास्त्र और गणित में स्नातक डिग्री ली थी। उन्होंने न्यूयॉर्क और लंदन में निवेश बैंकर के तौर पर काम किया था। उनकी पहली शादी के बाद तलाक हो गया था।

पिनाकी मिश्रा का जन्म 23 अक्टूबर, 1959 को ओडिशा के कटक में हुआ था। उनके पिता लोकनाथ मिश्रा राज्यसभा सांसद और असम के राज्यपाल थे। मिश्रा ने दिल्ली से बीए (ऑनर्स) के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की थी। उन्होंने जनवरी 1984 में संगीता मिश्रा से शादी की थी, लेकिन बाद में उनका तलाक हो गया।

'दपरे' के बेंगलूरु मंडल ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु मंडल ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष माथुर ने केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों, कर्मचारियों और यात्रियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शपथ दिलाई और पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

उन्होंने यात्रियों को कपड़े के थैले भी वितरित किए और उन्हें एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग से बचने और अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

बाद में, एमजी रेलवे कॉलोनी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अनुराग सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर और वरिष्ठ मंडल पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधक श्री संचित श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) श्री प्रभाकर सिन्हा, सीनियर डीएमएम सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

आरडब्ल्यूएफ ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां यलहंका स्थित रेल व्हील फैक्ट्री (आरडब्ल्यूएफ) ने विश्व पर्यावरण दिवस को उत्साह के साथ मनाया, जो पर्यावरण-केंद्रित गतिविधियों की एक पखवाड़े लंबी श्रृंखला का समापन था। इस उत्सव में प्रभात फेरी, स्वच्छता अभियान और केंद्रीय विद्यालय के प्रशिक्षुओं और छात्रों द्वारा किए गए नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम शामिल थे। प्रशिक्षुओं के लिए ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता और कर्मचारियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। एक गैर सरकारी संगठन एमआईटीयू फाउंडेशन के सहयोग से अपशिष्ट/प्रयुक्त कपड़ों से पुन: प्रयोज्य बैग सिलाई पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला को उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में अपसाइक्लिंग के महत्व को रेखांकित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आरडब्ल्यूएफ के महाप्रबंधक चंद्र वीर रमन उपस्थित थे। अपने संबोधन में रमन ने पर्यावरण की रक्षा के लिए सामूहिक और व्यक्तिगत कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और सभी से प्लास्टिक प्रदूषण को हराने के वैश्विक मिशन में ईमानदारी से योगदान देने का आह्वान किया। अतिथि वक्ता के रूप में एनआईटीटीई स्कूल ऑफ डिजाइन के सहायक प्रोफेसर सुदर्शन पांडुरंग ने पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में डिजाइन की भूमिका पर बहुमूल्य जानकारी दी।

प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एम.के. पोद्दार ने आरडब्ल्यूएफ द्वारा पहले से अपनाई गई टिकाऊ उत्पादन प्रक्रियाओं पर बात की और ऊर्जा, पानी और रेत जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य पर्यावरण अधिकारी गोविंद पांडे, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। पर्यावरण दिवस समारोह के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वृक्षारोपण समारोह के साथ हुआ, जो हरित भविष्य के लिए आरडब्ल्यूएफ की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

जागरूकता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल में 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस मनाया गया। बेंगलूरु मंडल ने केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर कार्यक्रम में बेंगलूरु के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने लेवल क्रॉसिंग फाटकों पर सुरक्षा नियमों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर बताया गया कि रेलवे क्रॉसिंग पर सड़क उपयोगकर्ताओं की लापरवाही किस प्रकार जीवन को खतरे में डाल सकती है। जागरूकता अभियान के तहत यात्रियों को सूचनात्मक पैम्फलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, मंडल सुरक्षा अधिकारी सुदर्शन भट्ट सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित थे।

पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 240 (महिला) बटालियन सीआरपीएफ द्वारा 5 जून को यलहंका स्थित अपने कैम्प परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में बटालियन केसभी कर्मियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और पौधे लगाए।

बेंगलूरु भगदड़

ज्यादातर घायलों को अस्पताल से छुट्टी दी गई, भर्ती मरीज खतरे से बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ जुटने के बाद बेंगलूरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बुधवार को मची भगदड़ में घायल ज्यादातर लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है। अस्पताल प्राधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्राधिकारियों ने बताया कि कुछ घायलों का इलाज अभी भी जारी है, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं।

बेंगलूरु के बोरिंग एंड लेडी कर्जन हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक टी केंपाराजू ने बताया कि अस्पताल में भर्ती 10 में से आठ मरीजों को छुट्टी दे दी गई है, जबकि दो अन्य का इलाज अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ में घायल कुल 18 मरीजों का इलाज किया गया।

केंपाराजू ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनके अस्पताल में लाए जाने वाले ज्यादातर मरीजों को मामूली खरोंच, सांस लेने में तकलीफ और घबराहट की शिकायत थी।

उन्होंने कहा, हमारे अस्पताल में दो मरीजों का इलाज अभी भी जारी है। इनमें से एक की पैर की हड्डी टूट गई है, जबकि दूसरा 14 वर्षीय किशोर है, जिसे मामूली चोट आई है। पर चूंकि, चोट उसकी दाहिनी आंख के पास है, इसलिए उसे निगरानी में रखा गया है।

किशोर की मां फरहीन ने बताया कि उसके बेटे को शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। फरहीन ने कहा कि उसका बेटा डरा हुआ है और वह अभी भी समझ नहीं पा रहा है कि आखिर हुआ क्या था। किशोर के चाचा नवाज ने बताया कि परिजनों को इस बात की जानकारी ही नहीं थी कि वह आरसीबी की जीत के जश्न में शामिल होने के लिए जा रहा है।

नवाज ने कहा, उसने हमें सिर्फ इतना बताया था कि वह अपने दोस्तों के साथ घूमने जा रहा है। ऐसा लगता है कि वह चिन्नास्वामी स्टेडियम की ओर जा रहा था, तभी वह गिर गया और बेहोश हो गया। हमें अस्पताल से फोन आया कि उसे वहां भर्ती कराया गया है।

वैदेही सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल के प्रवक्ता ने बताया कि भगदड़ के बाद अस्पताल में कुल 16 मरीज लाए गए थे, जिनमें से चार को मृत घोषित कर दिया गया था, जबकि 12 अन्य को भर्ती कर लिया गया था। प्रवक्ता के मुताबिक, 10 मरीजों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि दो अन्य को निगरानी में रखा गया है। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि दोनों मरीजों को मामूली चोटें आई हैं, लेकिन वे गहरे सदमे में हैं और तंत्रिका तंत्र विभाग ने उन्हें निगरानी में रखा है।

बेंगलूरु के शहरी उपायुक्त केएससीए, आरसीबी और पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के शहरी उपायुक्त जी जगदीश ने बृहस्पतिवार को कहा कि भगदड़ की घटना की जांच में शामिल होने के लिए कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और पुलिस आयुक्त बी दयानंद को नोटिस जारी किया जाएगा। बेंगलूरु शहरी उपायुक्त जी जगदीश चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ की मजिस्ट्रेट जांच का नेतृत्व कर रहे हैं।

जगदीश ने चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण किया जहां बुधवार को भगदड़ मची थी। बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बुधवार को मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। इस दौरान हजारों की संख्या में प्रशंसक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल में पहली खिताबी जीत के जश्न में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। शहरी उपायुक्त जी जगदीश ने यहां संवाददाताओं से कहा, आज मैंने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के स्टेडियम का दौरा किया। मैंने यहां के सभी कार्यक्रम देखे हैं। मैं कुछ लोगों को जांच के लिए नोटिस जारी करूंगा। मैं इस घटना की जांच 15 दिन में पूरी कर लूंगा। मैं केएससीए, आरसीबी प्रबंधन, कार्यक्रम प्रबंधक और पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी करूंगा।

मैं लोगों से सबूत देने को भी कहूंगा। इस हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''मैं अभी जांच शुरू कर रहा हूं। इसमें अभी कुछ समय लगेगा।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या बुधवार को समारोह के लिए कोई अनुमति ली गई थी, तो उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि वह अनुमति देने के लिए सक्षम प्राधिकारी नहीं हैं और इसके लिए पुलिस आयुक्त से अनुमति लेनी होती है।

बेंगलूरु भगदड़ : पीड़िता के परिवार का आरोप, प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए चार घंटे इंतजार करना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर बेंगलूरु (रासीबी) को मिली जीत का जश्न मनाने के लिए शहर के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मची भगदड़ में जान गंवाने वाली 15 वर्षीय दिव्यांशी के परिवार ने आरोप लगाया है कि उन्हें मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बेंगलूरु के यलहंका में, शोकाकुल परिवार के घर रिश्तेदार एकत्र हुए और उसके बाद किशोरी के शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

मृतका के पिता शिवकुमार ने उस क्षण को याद किया, जब उनकी बेटी गेट नंबर 15 पर धक्का दिए जाने के बाद गिर गई थी। उन्होंने बताया कि उस समय उनकी पत्नी और एक महिला रिश्तेदार भी मौजूद थीं। शिवकुमार ने बताया, ''वे (अधिकारी) आए और (बाद में) दौरा किया, लेकिन कोई उचित सहायता नहीं दी गई। उन्होंने उपयुक्त प्राथमिक उपचार भी नहीं कराया। मेरी पत्नी ने बताया कि वह मदद की गुहार लगा रही थी। अंत में, पुलिस से सहायता नहीं मिलने पर बेटी को एक ऑटो में ले जाना पड़ा। यहां तक कि प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए भी हमें चार घंटे इंतजार करना पड़ा।''

शिवकुमार ने बताया कि वह बेटी का शव अंतिम संस्कार के लिए आंध्र प्रदेश ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। शिवकुमार ने कहा, उन्होंने उचित व्यवस्था क्यों नहीं की? मैसूरु पैलेस रोड जाकर देखिए - राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए वे सब इंतजाम करते हैं। इस समारोह के लिए उन्हें उचित योजना बनानी चाहिए थी। वहां खुफिया विभाग के अधिकारी होने चाहिए थे। कब्बन पार्क पुलिस थाना के अधिकारियों से जब 'पीटीआई-भाषा' ने संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि भगदड़ की घटना में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। इस बीच, भगदड़ में जान गंवाने वाली 28 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर कामाची देवी का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को अंतिम संस्कार के लिए तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में उनके गृहनगर मयिलाडुम्पराई ले जाया गया। बेंगलूरु में काम करने वाली देवी चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की आईपीएल जीत का जश्न मनाने गई थीं। वह भीड़ के बीच फंस गईं और उनकी मौत हो गई। देवी के पार्थिव शरीर को मयिलाडुमपराई स्थित विवेकानंद स्कूल ले जाया गया, जहां रिश्तेदार, मित्र और स्थानीय निवासी उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए।

बेंगलूरु भगदड़ की एक अन्य पीड़िता 27 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट अक्षता का शव बृहस्पतिवार की दोपहर उत्तर कन्नड़ जिले के सिद्धपुरा स्थित उसके गृहनगर लाया गया। हादसे में बच गए अक्षता के पति आशय ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया, ''मैं एक अवरोधक के नजदीक खड़ा था और वह मेरा हाथ पकड़े खड़ी थी। तभी लोगों ने एक-दूसरे को धक्का देना शुरू कर दिया और कुछ लोग मेरे ऊपर गिर गए और कुछ उसके ऊपर। चूंकि मैं एक कोने में था, इसलिए कुछ लोगों ने मुझे खींचकर किनारे कर दिया लेकिन मेरा हाथ पत्नी के हाथ से छूट गया। मैं काफी देर तक मदद के लिए चिल्लाता रहा।''

आशय ने बताया कि वह अंततः उस अस्पताल में गए जहां उसे ले जाया गया था और उसकी पहचान की। उन्होंने बताया, ''चिकित्सक ने बताया कि अस्पताल लाए जाने से पहले ही भगदड़ वाली जगह पर उसकी मौत हो गई थी।'' दोनों की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। आरसीबी के प्रशंसक होने के कारण उन्होंने आईपीएल की जीत का जश्न रोड शो में हिस्सा लेकर मनाने का फैसला किया था। लेकिन जब उन्हें पता चला कि रोड शो रद्द हो गया है, तो वे चिन्नास्वामी स्टेडियम की ओर चले गए।

आरसीबी, कार्यक्रम प्रबंधन कंपनी, केएससीए के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु। बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ के सिलसिले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु, कार्यक्रम प्रबंधन कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और अन्य के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 घायल हो गए थे। यह जानकारी पुलिस ने बृहस्पतिवार को दी। यह मामला कब्बन पार्क पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 105 , 115, 118 , 190 , 132, 125(12) , 142 (गैरकानूनी जमावड़ा) और 121 (किसी अपराध के लिए उकसाना) के तहत दर्ज किया गया है।

राजभवन में पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के तहत 5 जून को कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने राजभवन परिसर में बिल्व पत्र का पौधा लगाया और सभी से प्रकृति के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान देने की अपील की।

पांचवां अग्निवीर बैच

बेलगावी//दक्षिण भारत। अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों के पांचवें बैच ने आज प्रशिक्षण का समापन देखा। इस अवसर पर, मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर, बेलगावी में पूरी सैन्य परंपराओं के साथ एक औपचारिक सत्यापन परेड आयोजित की गई। 31 सप्ताह के प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद 659 अग्निवीरों को सत्यापन किया गया। अग्निवीरों की सत्यापन परेड की समीक्षा मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर जॉयदीप मुखर्जी ने की, जिन्होंने अग्निवीरों की शानदार उपस्थिति और ड्रिल के उच्च मानकों की सराहना की। परेड की कमान अग्निवीर गजानन राठौड़ ने संभाली, जबकि लेफ्टिनेंट कर्नल दिग्विजय सिंह परेड एडजुटेंट थे।

बेंगलूरु भगदड़ मामले की उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश से जांच कराई जाए : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने राज्य सरकार से चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ की जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से कराए जाने की बृहस्पतिवार को मांग की।

विजयेंद्र ने मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा दिये जाने की भी मांग की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार से घटना की जिम्मेदारी लेने का आह्वान करते हुए आरोप लगाया कि सरकार भीड़ को काबू कर पाने में अक्षम रही है। विजयेंद्र ने कहा, ''जिला उपायुक्त (डीसी), मजिस्ट्रेट द्वारा जांच भाजपा की मांग नहीं है। चूंकि राज्य सरकार, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों की ओर से गैरजिम्मेदार रवैया अपनाया गया है, इसलिए भाजपा की मांग है कि उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश द्वारा जांच कराई जाए। डीसी मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री को तलब नहीं कर

सकते।'' प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''जब केरल में हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई, तो कर्नाटक ने 25 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। मेरा सवाल यह है कि जब केरल में एक व्यक्ति को 25 लाख रुपये मुआवजा मिलता है, तो राज्य सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण हुई मौतों के लिए 50 लाख रुपये का मुआवजा क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। इसलिए मैं मुख्यमंत्री से मृतकों के परिजनों को कम से कम 50 लाख रुपये का मुआवजा जारी करने की मांग करता हूं।''

उन्होंने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने और दुबई या लंदन में बैठे आरसीबी के मालिकों से पीड़ितों के लिए मुआवजे की मांग करने का भी आह्वान किया। विजयेंद्र ने कहा कि पूरा देश जानना चाहता है कि इस घटना की जिम्मेदारी किसकी है। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार ने अधिक जिम्मेदारी से काम किया होता तो यह त्रासदी पूरी तरह से टाली जा सकती थी। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यवश, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों सहित राज्य सरकार बहुत जल्दबाजी में थी और वे आरसीबी की जीत को भुनाने में व्यस्त थे।''

विजयेंद्र ने कहा, ''जब पूरा पुलिस महकमा मुख्यमंत्री, उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को सुरक्षा देने में व्यस्त था, तब चिन्नास्वामी स्टेडियम में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद नहीं था, जहां दो लाख से अधिक लोग एकत्र हुए थे। सभी पुलिस बल विधान सौधा के पास मौजूद थे। क्या यह राज्य सरकार की विफलता नहीं है?''

सिद्दरामय्या मंत्रिमंडल को ''असंवेदनशील'' करार देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, ''आरसीबी के खिलाड़ियों को भगदड़ और 11 मौतों के बारे में जानकारी थी, लेकिन राज्य सरकार के आग्रह पर जीत का जश्न मनाया गया, राज्य सरकार का यह असंवेदनशील निर्णय था।''

अग्निवीरों के 5वें बैच की पासिंग आउट परेड हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मद्रास इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर स्थित गोविंदस्वामी ड्रिल स्क्वायर पर गुरुवार को अग्निवीरों के पांचवें बैच की पासिंग आउट परेड (पीओपी) हुई। कुल 568 अग्निवीरों ने भव्य समारोह में अपने सख्त प्रशिक्षण के समापन का जश्न मनाया। यह 'ऑपरेशन सिंदूर' के बीच भारतीय सेना में उनके प्रवेश का प्रतीक था। सैन्य शिष्टाचार के तहत परेड में अग्निवीर औपचारिक पोशाक, नीले 'दुपट्टे', सुनहरे और मैरून जरी बैंड तथा सफेद स्पैट्स के साथ नजर आए। वे सैन्य बैंड की

प्रेरक धुनों के साथ मार्च कर रहे थे। यह प्रदर्शन केंद्र द्वारा दिए गए प्रशिक्षण के उच्च मानकों तथा मद्रास सैपर्स द्वारा अपनाए गए उत्कृष्टता के मूल्यों का शानदार प्रतिबिंब था।

कार्यक्रम की समीक्षा मद्रास इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर अजय सिंह ठाकुर ने की। उन्होंने अग्निवीरों की ड्रिल और प्रोफेशनलिज्म के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने परेड को संबोधित करते हुए युवा सैनिकों की राष्ट्र की सेवा के प्रति समर्पण और तत्परता की सराहना की।

समारोह का मुख्य आकर्षण अग्निवीरों के माता-पिता को 'गौरव पदक' प्रदान करना था। उन्हें अपने बेटों को 'थम्बी सैपर' के रैंक चिह्न से अलंकृत करने के लिए आमंत्रित किया गया, जो प्रशिक्षु से सैनिक बनने का भावनात्मक क्षण था। परिजन के लिए एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए, केंद्र ने उनके स्वागत, ठहरने और परिवहन के लिए व्यवस्था की थी। इस कार्यक्रम का समापन पूर्व सैनिकों, वरिष्ठ अधिकारियों और मेहमानों के परिवारों के साथ बातचीत करने और उनकी खुशी एवं गर्व को साझा करने के साथ हुआ।

कर्नाटक सरकार बड़े आयोजनों के लिए नयी एसओपी तैयार करेगी : गृहमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को बताया कि कर्नाटक सरकार बड़े आयोजनों, सभाओं और जश्न के लिए एक नयी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करेगी ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। यह कदम बुधवार को एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के पास मची भगदड़ की घटना के बाद उठाया गया है जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। मंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' (आरसीबी) टीम की आईपीएल जीत के जश्न में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि सरकार उन खामियों का पता लगाएगी जिनकी वजह से यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि इस घटना में 11 लोगों की मौत हुई है और 56 घायल हुए है। इनमें से 46 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि 10 अस्पताल में भर्ती है। चिकित्सकों के अनुसार, इन दस लोगों की स्थिति गंभीर नहीं है।

मंत्री ने कहा, ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से सरकार और गृह विभाग एक नयी एसओपी तैयार करेंगे। अब से कोई भी बड़ा आयोजन या समारोह पुलिस विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नया एसओपी इस तरह से बनाया जाएगा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। मंत्री ने कहा, जान गंवाने की ऐसी अप्रिय घटनाएं नहीं होनी चाहिए, मासूमों की जान नहीं जानी चाहिए। शवों को देखना सभी के लिए पीड़ादायक होता है। कई युवा 20-25 वर्ष की आयु के थे। वे जश्न मनाने आए थे, उन्हें क्या पता था कि यह उनकी आखिरी शाम होगी। हम व्यवस्था की खामियों की पहचान कर सख्त कदम उठाएंगे।

मंत्री ने कहा कि राज्य के क्रिकेट इतिहास में ऐसी घटना कभी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को बैठक की थी और इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। जांच का नेतृत्व बेंगलूरु शहर के उपायुक्त करेंगे। मंत्री ने कहा, यदि कोई लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मैं अभी मामले के विस्तार में नहीं जाना चाहता क्योंकि जांच चल रही है।

सरकार द्वारा पर्याप्त कदम नहीं उठाए जाने और उनकी ओर से चूक के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में गृह मंत्री ने कहा, जैसा कि आप जानते हैं कि आरसीबी की जीत के लिए मंगलवार की पूरी रात बेंगलूरु की सड़कों पर जश्न मनाया गया। फिर सुबह (बुधवार को) जश्न का माहौल (टीम के शहर में उतरने के साथ) बनाया गया...एक तरह से पूरा समुदाय जश्न के उन्माद में था।

उन्होंने कहा, किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि स्टेडियम में 30000 लोगों की कुल क्षमता के मुकाबले करीब तीन लाख लोग आएंगे। बेंगलूरु मेट्रो से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार रात 11 बजे तक करीब 8.7 लाख लोगों ने आवागमन किया। आप कल्पना कर सकते हैं कि कितनी भीड़ आई होगी। मंत्री ने कहा कि वह स्टेडियम के निकट घटनास्थल का दौरा करेंगे और आरसीबी तथा कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा करेंगे।

मंत्री एमबी पाटिल ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया और आश्वासन दिया कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने के बावजूद इसके अंदर जश्न जारी रहा। पाटिल ने यहां संवाददाताओं से कहा,'' मुझे लगता है कि बाहर जो कुछ हो रहा था, इसकी जानकारी अंदर (चिन्नास्वामी स्टेडियम) बैठे लोगों को नहीं थी। कोई भी संवेदनशील और जिम्मेदार व्यक्ति ऐसा नहीं करेगा। जब उन्हें पता चला कि भगदड़ मच गई है और बाहर स्थिति बहुत गंभीर है, तो तुरंत ही इसका समापन कर दिया गया।

इसलिए भाजपा को इतना नीचे नहीं गिरना चाहिए।'' भगदड़ में हुई मौतों से चिंतित और दुखी मंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने पर है और जरूरत पड़ने पर उन्हें निजी अस्पतालों में भी उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। पाटिल ने आश्वासन दिया, ''हमारा ध्यान उन्हें सर्वोत्तम उपचार देने पर है, यदि आवश्यकता हुई तो हम उन्हें सर्वोत्तम निजी अस्पतालों में भी उपचार उपलब्ध कराएंगे और मानवता के अनुसार कार्य करेंगे। अब भाजपा इस मामले में भी राजनीति करना चाहती है और हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। लेकिन साथ ही हमें खामियों पर भी गौर करना चाहिए। चाहे कोई भी हो और चाहे वह कितना भी बड़ा व्यक्ति क्यों न हो, 15 दिन में सारी गड़बड़ियां उजागर हो जाएंगी...और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को भगदड़ मामले में स्टेटस रिपोर्ट दायर करने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यहां क्रिकेट स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत और 50 से अधिक लोगों के घायल होने के मामले में बृहस्पतिवार को राज्य सरकार को स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। अदालत ने मामले का स्वत: संज्ञान लेने के बाद राज्य को नोटिस जारी करके 10 जून तक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दायर करने का निर्देश दिया।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की पीठ ने अदालत की रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह इस मामले को स्वत: संज्ञान जनहित याचिका के रूप में देखे। आईपीएल के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की जीत के बाद चार जून को यहां जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 अन्य लोग घायल हो गए।

जब मामला खंडपीठ के समक्ष आया, तो महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने कहा कि स्टेडियम में मुफ्त प्रवेश की घोषणा के कारण गेट पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे भगदड़ मच गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार इस मामले को नकारात्मक रवैये से नहीं देखना चाहती। शेट्टी ने कहा, दोषारोपण सही नहीं है। हमारा उद्देश्य यह समझना है कि क्या गलत हुआ और यह सुनिश्चित करना है कि ऐसी त्रासदियां दोबारा न हों।

आरसीबी की इंडियन प्रिमियर लीग (आईपीएल) खिताबी जीत के बाद शहर में जश्न के दौरान पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती का जिक्र करते हुए शेट्टी ने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर स्थिति अराजक हो गई थी। उन्होंने कहा कि स्टेडियम और उसके आसपास 2.5 लाख से अधिक लोग इकट्ठा हो गए थे, जबकि इसकी क्षमता लगभग 30,000 है। उन्होंने बताया, लोगों को स्टेडियम के अंदर भारी भीड़ होने का अंदाजा नहीं था।

पीठ ने कहा कि बड़े सार्वजनिक आयोजनों के लिए स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन किया जाना चाहिए था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने कहा, घटनास्थल पर एम्बुलेंस उपलब्ध होनी चाहिए थी, और निकटतम अस्पतालों के बारे में स्पष्टता होनी चाहिए थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, महाधिवक्ता ने कहा कि एम्बुलेंस वास्तव में मौजूद थीं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि वे इस पैमाने की आपात स्थिति के लिए पर्याप्त नहीं थीं। उन्होंने कहा, मुद्दा उनकी अनुपस्थिति नहीं, बल्कि संख्या का था।

महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि मजिस्ट्रेट जांच पहले ही शुरू हो चुकी है और यह 15 दिन में पूरी हो जाएगी। कुल 21 में से तीन विशिष्ट गेटों पर सभी 11 लोगों की मौत हुई है और 56 लोग भी यहीं घायल हुए हैं। राज्य सरकार इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रही है और इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी समेत सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर दिया गया है। उन्होंने अदालत से कहा, हम संभावित चूक की जांच कर रहे हैं। किसी को भी बख्शा नहीं जा रहा है।

शेट्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले सार्वजनिक बयान में पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने की बात कही। उन्होंने कहा, इस त्रासदी के लिए एसओपी की समीक्षा की आवश्यकता है। हम भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सार्वजनिक और अदालत के सुझावों पर अमल करेंगे। शेट्टी ने कहा कि जांच अधिकारी ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया है, जिसमें प्रासंगिक जानकारी या सबूत रखने वाले किसी भी व्यक्ति को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया, गवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी और उसे अदालत में पेश किया जाएगा। इसमें पूरी पारदर्शिता है, कुछ भी छिपाया नहीं जा रहा है। जनहित याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता लोहित ने अदालत को बताया कि लोग चार खास बिंदुओं पर जवाब चाहते हैं।

उन्होंने सवाल किया कि सम्मान समारोह की मंजूरी किसने दी? क्या कर्नाटक सरकार या राज्य क्रिकेट संघ ने ऐसा किया? राज्य या देश का प्रतिनिधित्व न करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने में सरकार की क्या जिम्मेदारी है? साथ ही विधान सौधा और चिन्नास्वामी स्टेडियम में अलग-अलग समारोह क्यों आयोजित किए गए? और भीड़ नियंत्रण व सुरक्षा के क्या इंतजाम किए गए थे? जनहित याचिकाकार्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता जी.आर. मोहन ने बताया कि निःशुल्क प्रवेश की घोषणा आईपीएल फ्रेंचाइज के प्रतिनिधि द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि भारी भीड़ के बावजूद, केवल तीन गेट ही खुले रखे गए, जिससे अड़चनें और अव्यवस्था पैदा हो गई।

वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणा श्याम ने न्यायालय से निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी नियुक्त करने पर विचार करने का आग्रह किया।

कर्नूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

सार्वजनिक सूचना

कर्नूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी), जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-1100016 में है, निम्नलिखित संचरण योजना हेतु बिजली के संचरण के लिए विद्युत लाइनें या विद्युत संयंत्र लगाने के लिए या टेलीग्राफ लाइनें लगाने के संबंध में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास आवश्यक कार्यों के लिए उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोन या टेलीग्राफिक संचार के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा स्थापित या रखरखाव किए जाने वाले टेलीग्राफ के प्रयोजन के लिए लाइनों व पोस्टों और सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, निर्माण और कमीशनिंग, संचालन, रखरखाव के बाद किए जाने वाले अन्य कार्य करने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत सभी प्रकार के अधिकार प्रदान करने के लिए भारत सरकार को आवेदन करने का इच्छुक है।

योजना का नाम : कर्नूल-IV आरईजेड-फेज-1 के एकीकरण के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम (4.5 जीडब्ल्यू के लिए)
योजना के अन्तर्गत आवरित कार्य : कर्नूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड

क्र.सं.	ट्रांसमिशन योजना का कार्यक्षेत्र	क्षमता/ किमी में लाइन लम्बाई
1.	आंध्र प्रदेश के कर्नूल के पास 4X1500 एमवीए, 765/400 केवी और 4X500 एमवीए, 400/220 केवी कर्नूल-IV पूलिंग स्टेशन की स्थापना, साथ ही कर्नूल-IV पीएस में 2X330 एमवीएआर (765 केवी) बस रिएक्टरों के साथ 400 केवी स्तर पर 4500 एमवीए के दो (2) खंडों का प्रावधान	765/400 केवी, 1500 एमवीए, आईसीटी-4 नग (12X500 एमवीए), 765 केवी आईसीटी बे – 4 नग, 400 केवी आईसीटी बे – 4 नग, 400/220 केवी, 500 एमवीए, आईसीटी – 4 नग, 400 केवी आईसीटी बे – 4 नग, 220 केवी आईसीटी बे – 4 नग, 765 केवी लाइन बे – 4 नग (कर्नूल-IV पीएस पर कर्नूल-IV – बीदर और कर्नूल-IV- कर्नूल-III 765 केवी डी/सी लाइनों की समाप्ति के लिए), 765 केवी, 330 एमवीएआर बस रिएक्टर – 2 नग, 765 केवी बस रिएक्टर बे – 2 नग, 220 केवी लाइन बे – 6 नग, 220 केवी बस सेक्शनलाइज़र: 1 सेट 220 केवी बस कपलर (बीसी) बे – 2 नग, 220 केवी ट्रांसफर बस कपलर (टीबीसी) बे – 2 नग, 1X500एमवीए, 765/400केवी, 1 चरण अतिरिक्त आईसीटी, 1X110एमवीएआर, 765केवी, 1 चरण अतिरिक्त रिएक्टर, भविष्य के स्थान प्रावधान: 765/400केवी, 1500एमवीए, आईसीटी – 2 नग, 765केवी, आईसीटी बे -2 नग, 400केवी, आईसीटी बे – 2 नग, 400/220केवी, , 500केवी, , आईसीटी – 14 नग, 400केवी, आईसीटी बे - 14 नग, 220केवी, आईसीटी बे – 14 नग, 765 केवी लाइन बे – 8 नग (एसएलआर के प्रावधान के साथ), 400 केवी लाइन बे – 12 नग (एसएलआर के प्रावधान के साथ), 220 केवी लाइन बे – 20 नग, 220 केवी बस सेक्शनलाइजर: 2 सेट, 220 केवी बस कपलर (बीसी) बे – 2 नग, 220 केवी ट्रांसफर बस कपलर (टीबीसी) बे – 2 नग, 400 केवी बस सेक्शनलाइजर: 1 सेट
2	कर्नूल-IV- बीदर 765 केवी डी/सी लाइन दोनों सर्किटों पर दोनों सिरों पर 330 एमवीएआर एसएलआर (परिवर्तनीय) के साथ	350 किलोमीटर, 765 केवी लाइन बे -2 नग (बीदर पीएस पर), 765 केवी, 330 एमवीएआर एसएलआर कर्नूल-IV पीएस पर – 2 नग, (6X110 एमवीएआर लाइन रिएक्टर), 765 केवी, 330 एमवीएआर एसएलआर बीदर पीएस पर – 2 नग, (7X110 एमवीएआर 1 स्विच करने योग्य स्पेयर यूनिट सहित)
3	कर्नूल-IV से कर्नूल-III-पीएस 765केवी/डीसी लाइन, दोनों सर्किटों पर कर्नूल-IV छोर पर 240एमवीएआर एसएलआर (परिवर्तनीय) के साथ।	150 कि.मी, 765 केवी लाइन बे – 2 नग (कर्नूल-III पी.एस. पर), 765 केवी, 240 एमवीएआर एसएलआर कर्नूल-IV पीएस पर – 2 नग, (7X80 एमवीएआर 1 स्विचेबल स्पेयर यूनिट सहित)
4	± 300 एमवीएआर स्टेटकॉम कर्नूल-IV पीएस पर 2X125 एमवीएआर एमएसआर के साथ	400 केवी बे-1 नग,
5	सी-पेटा में 1X1500 एमवीए, 765/400 केवी आईसीटी (तीसरा) का विस्तार	765/400 केवी, 1500 एमवीए, आईसीटी-1 नग, 765 केवी आईसीटी बे – 1 नग, 400 केवी आईसीटी बे – 1 नग
6	सी-पेटा में विजयवाड़ा-नेल्लोर का 400 केवी डी/सी लाइन एलआईएलओ	40केएम 400 केवी लाइन बे – 4 नग (सी-पेटा पर विजयवाड़ा-नेल्लोर 400 केवी/डीसी लाइन का एलआईएलओ की समाप्ति के लिए)

इस योजना के अन्तर्गत बनने वाली ट्रांसमिशन लाइंस आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना राज्य में नीचे उल्लेखित गाँवों, नगरों एवं शहरों के ऊपर, आस-पास तथा बीच से गुजरेगी।

(ए) 765 केवी बीदर से कर्नूल-IV डी/सी टीएल :

क्र.सं.	गाँव का नाम	तहसील/मंडल	ज़िला
1.	कुबुरवाडी, हांडीकेरा, चेम्मीगांव, रूपला नाइक तांडा, भोपालगढ़, बेलकोनी, भवानी बिजलगांव, मुधोल तांडा, मुधोल बुजुर्ग, मुधोल खुर्द, तोरणा, कोरेकल, हलाहल्ली, निदोडा, औराद तांडा, कडवाड तांडा, औराद, कासिमपुर, बायरनहल्ली, बामलगी	औराद	बीदर
2	मालेगाँव तांडा, मालेगाँव	मालेगाँव	बीदर
3	संगनाल, करकयाल, तापसल, चंदूरी, बेदकोंडा, लक्ष्मीनगर, हिप्पलगांव, कुडली, मुराल, कोटागियाल, चर्कैवाडी, संगोल्गी तांडा, शमशेरनगर, संगोल्गी, निलवाड, बावगी, बावगी केरे, मंदकनल्ली तांडा, सिरसी, कदवाड, बगदाल, बगदाल आरक्षित वन, निडवंचा, शेकापुर, बापुर, मोग्दल, मारकुंडा, पथरापल्ली, सिंदोल, राजगीर, बांगुर, कमलापुर, मोदकनल्ली, कदवाड, बेनाकनल्ली, पटेरपल्ली, कासिमपुर	बीदर	बीदर
4	कोरियाल, डोनेगांव (एम), बलाड (के), हलहल्ली	कमलानगर	बीदर
5	लिंगादहल्ली	बसवकल्याण	बीदर
6	भीमरा, कुसनूर, कुसनूर हल्ला, बीरी बुजुर्ग, नगरल, निट्टूर बुजुर्ग, तारानाल्ली, बीरी बुजुर्ग, बड़ा तांडा, बीरी खुर्द, वलसांग, हुपला, केरूर, बालुर, बालुर तांडा, जैनापुर, अहमदाबाद, तेगमपुर, कोसम, हेल हिप्पार्गा, हलबर्गा, हलबर्गा आरएस, कोसम आरएफ, धन्नुरा, धन्नुरा तांडा, मलसापुर, धन्नुरा आरएफ, खानापुर, खानापुर आरक्षित वन, दादोडा तांडा, धन्नुरा तांडा, रुदनूर, रुदनूर तांडा, जांती, कानाजी, निर्माणल्ली, निर्माणल्ली तांडा, बयालाहल्ली, अनादुरवाडी, अनादुर तांडा, हलाहल्ली, हलाहल्ली तांडा, बीरी (के), बीरी, तेलगांव, मेलकुंडा, मालचापुर, कोटागिरा	भालकी	बीदर
7	मन्ना एखेली, मिनखेरा, भीमलखेड	चिट्टगुप्पा	बीदर
8	डंगरगांव	कमलापुर	कलबुर्गी
9	मदगी, खानजमालपुरा, धनसेरी, गोपनपल्ली, असदगंज, गोपनपल्ली आरएफ, इप्पेपल्ली, मुगदमपल्ली, मन्नापुर, उप्परपल्ली तांडा, पर्वतपुर, सज्जाराम तांडा, मलकापुर	मोगुदमपल्ली	संगारेड्डी
10	चिरागपल्ली, रायपल्ली, मधलाल तांडा, गोविंदपुर, हरगी नाइक तांडा, येलम्मा चेरुवु, गिदिगड्डा तांडा, थिगलमाड्डुगु तांडा, अनिगुंटा आरएफ, अनिगुंटा, शेखपुर आरएफ, येरन्ना रिजर्वायर, मालचलमा, मालचलमा आरएफ, होथी (बी), शैकापुर, अनिगुंटा	जहीराबाद	संगारेड्डी
11	गोटगरपल्ली, पारसेपल्ली आरएफ, पारसेपल्ली, बादामपेट, बादामपेट आरएफ, पिचरागढ़ टांडा, गोटगरपल्ली आरएफ, सैयदौ चेरुवु, सज्जापुर, बिलालपुर, गोटगरपल्ली तांडा, सिद्दापुर, सिद्दापुर तांडा, मनयारपल्ली	कोहिर	संगारेड्डी
12	वेंकटपुर, भुवनसपुर, शिवरामपुर आरएफ, शिवरामपुर, लछमासागर, शिवरेड्डीपल्ली, मखदमपुर, कुंचावरम, पोचावरम,	चिंचोली	कलबुर्गी
13	कलकोडा आरएफ, बुचनपल्ली, दमस्तपुर, शाहपुर, कलकोडा, पेडिगुम्मल, कुदगुंटा	मरपल्ली	विकाराबाद
14	याचारम, नूरल्लापुर, बोपनावरम, तुरमामाडी, तुरमामाडी आरएफ, बसवापुर, बंडामिदिपल्ली, बंटवाराम, इदुलपल्ली, मडवापुरम, इदुलपल्ली तांडा, रामपल्ली आरएफ, रामपल्ली, मंगरासपल्ली, सालबतापुर, गोपालपुर, सुल्तानपुर, नागारम, पोम्मापुर, माधवपुर	बंटवारम	विकाराबाद
15	इंडोल आरएफ, इंडोल, ओगुलापुरम, कोथापल्ले, वागुलपुर	कोटिपल्ली	विकाराबाद
16	तिमसनपल्ली, पेद्दामल तांडा, पेद्दामल, मारेपल्ली, जनगांव, बुधराम, गाज़ीपुर, बंदापल्ली, लिंगमपल्ली, मांबापुर, दुग्गापुर, कोंडापुर, रेगुंडी, कदनहल्ली, लंबाडी तांडा, कनावल्ली, रुकमपुर, रुकमपुर आरएस, खानापुर, नागुलपल्ले, अल्लापुर, खानपुर, कंदानेल्ली, रेगोंडी	पेद्दामुल	विकाराबाद
17	नेरलापल्ली, कमलापुर आरएफ, रागपुर, विश्वनाथपुर, कमलापुर, अन्नासागर, मुसिरपेट, एलाल, बगलापल्ले, संगम खुर्द, नागासमुंदर, हालीपुर, किष्टापुर, गोरेपल्ले, देवनूर, देवनूर तांडा, देवुला तांडा, कोकट, अन्नासागर	यालाल	विकाराबाद
18	कंजापुर, तांडूर, बंकूर, बेजवारम	तांडूर	विकाराबाद
19	मंतपुरम, दुबाचेरला, जंकमपल्ले, बोमरसपेट, कोडूर तांडा, एनिमे तांडा, लिंगनाइक तांडा, वाडीचेरला, मडिमाडागु तांडा, तिर्मलापुर आरक्षित वन, कोडूर, लक्ष्मणाईक तांडा, देवला नाइक तांडा, बोटोन तांडा, गंगा नाइक तांडा, तुनकिमितला, रेगड मल्लवाराम, गिरकेभाई तांडा, मुदुममिला तांडा, रेगड मेलवाराम आरएफ, नागिरेड्डीपल्ले, नरसानिक तांडा, पुरयन तांडा, बोटोन तांडा, लिंगमपल्ले, नामदारपुर, बापनचेरु तांडा, अनंतपुर, एरुपमल्ला तांडा, चौदरीपल्ले, बोदाबंद तांडा, डिप्लानायक तांडा, एनिकी तांडा, बपल्ले तांडा, डुपचेरला, बुमरसपेट, वाडीचेरला, कोथुर, थुनकुमेटला, रेगडमेलवार	बोमारासीपेटा	विकाराबाद
20	अम्सानपल्ले, चिलमल मैलावरम, सत्तारगुंडा तांडा, बोल्लिभाई तांडा, गौराराम, चेड्डुपल्ले तांडा, बनिगड्डा तांडा, गौराराम आरएफ, दुडियाल आरएफ, अक्काचेरुवु तांडा, अनंतसागरम तांडा, पलुगु तांडा, लगचेरला तांडा, पुलिचेरला तांडा, एर्लापल्ले, एर्लापल्ले तांडा, बुरुजू तांडा, लगचेरला, रोटेबंडा तांडा, दुडियाल, हकिमपेट, लागचेरला आरएफ, अलीखानपल्ले, गौरारम	दुद्याल	विकाराबाद
21	सरजाखानपेट, तोगापुर, रामपुर, नाचाराम, चंद्रवंचा, लोदीपुर, कोट्टापल्ले, मुंगीमल्ला, महेश्वरम, कोसगी, मुक्तिपाद, मुहक्तिपाडु, मसाईपल्ली, चेन्नाराम, बोल्यानपल्ली, कदमपल्ली, बिज्जाराम, मिर्जापुर, हनुमानपल्ली, भक्तिमल्ला, बलभद्ररायपल्ली, मुशरिफा, कोतापल्ली	कोसगी	नारायणपेट
22	नंदीपाड, लक्कयापल्ली, पल्लेरला, परसापुर, हनमानायक तांडा, जजराओपल्ली, चिंतालदिन्ने, नागिरेड्डीपल्ली, डेनियानायक तांडा, नागमपल्ली, डोरेपल्ली, डोरेपल्ली तांडा, मद्दूर, भीमपुर, एर्रागुट्टा तांडा, निदजिंटा, चेन्नाराम, रल्लाबाई, अप्पारेड्डीपल्ली, रेनुवाटला, अच्चमपल्ली, पेदिरिपाडु, चंद्रारेड्डीपल्ली, मोनापुरम, बसन्नापल्ली, जादावरोपालने, चेनरेड्डीपल्ली, मोमिनापुर	मद्दुर	नारायणपेट
23	बंडाकोंडा, नेमिलापल्ली, अभंगपुर, बोम्मनपाडु, वड्डुगुंडला, सासनपल्ली, कोत्तापल्ली, सिरनपल्ली, बासिरेड्डीपल्ली, अप्पारेड्डीपल्ली, अम्मीरेड्डीपल्ली, सिंगाराम, जाजापुर, अप्पाकपल्ली, गुरुलापल्ली, तिमेडिपल्ली तांडा, वालमपल्ली, चित्रा जातरम, अप्पीरेड्डीपल्ली, कावरमपल्ली	नारायणपेट	नारायणपेट
24	कमसनपल्ली	दामरागिड्डा	नारायणपेट
25	तिपुरसपल्ली, बापुरम, निदुगुरती, पेद्दा जातरम, लक्ष्मपल्ली, वुटकुर, मखदमपुर, एर्गटपल्ली, पेद्दा पोरला, चिन्ना पोरला, मल्लेपल्ली, कोल्लूर	उटकुर	नारायणपेट
26	नागिरेड्डीपल्ली, मल्लेपल्ली, येडावेली, माधवरम, सोमेश्वरबंडा, लिंगमपल्ले, उप्पारिपल्ली, गोलापल्ली, संगमबंडा, मख्तल, गुरलापल्ली, वनयाकुंटा, दासरिपल्ली, तिरुमलापुर, चंदापुर	मक्तल	नारायणपेट
27	वड्डवातु, ओबलापुर, मगनुरु, अम्मापल्ली, पेगडाबंडा, सत्यावरम, पुंजनुरु,	मगनूर	नारायणपेट
28	कोलपुरु, मुदुमल	मुदमल	नारायणपेट
29	कोरटकुंडा, कोरविहल्ली, ममद्दोड्डी, इब्राहिमदोड्डी, यारगुंट, वड्डापल्ली, संगमकुंटा, अप्पनदोड्डी, रेलादोड्डी, मदमानदोड्डी, कोत्तादोड्डी, नागनदोड्डी, गणमुर, चंद्रबंडा, कडगमदोड्डी, कटलाटकुरु, वडवट्टी, सिंगानोडी, बावीडोड्डी, गौसनगर, कुरुबदोड्डी, बापुरम, बापुर तांडा, देवनपल्ली, राजलबंदा, अयाजपुर, मसीदोड्डी, तुंटापुर, लिंगनखंडोड्डी, मेडीगलडिन्नी, इदापनूर, हंचिनाल, गंधाल, बुद्दीनी, गुंद्रवेली	रायचूर	रायचूर
30	बिजनगेरे, मोर्किदोड्डी, मल्लापुर, जम्बालदिन्नी, येरागेरा, गुंजेहल्ली केरे, पोचलदिन्नी, गुंजेहल्ली	येरगेर	रायचूर
31	बल्लापुर, चिकमांचल, गुरुराजनगर, होसा तुंगभद्रा	गिलेसुगुर	रायचूर
32	चेतनपल्ली, मंत्रालयम, सुगुरु, कल्लादेवकुंटा, बुदुरू, चिलकलाडोना, तिम्मापुरम, होगारुरु, मनचला, सुनकेश्वरी	मंत्रालयम	कर्नूल
33	हलहार्वी, विरुपापुरम	हलहार्वी	कर्नूल
34	कंबलादिन्ने, जलावाडी, कंबादाहालु, बापुरम, हिस्सारामुरुवानी, डोड्डिमाकला, पेद्दाकदाबुरु, गंगनहालु, रंगापुरम, तारापुरम	पेद्दाकदबुर	कर्नूल
35	बनवासी, मलकापुरम, कोटेकल्लू, कोटेकल्लू आरएफ, देवीबेट्टा	यम्मीगनुरु	कर्नूल
36	बसापुरम, कपाटी, नागालापुरम, अरकल्लू, बाइचिगेरी, संबिगल्लू, नेट्टेकल्लू, अदोनी, डिब्बानकल्लू, गोनाभावी, सदापुरम, होन्नुरु, विरुपापुरम, धनापुरम, नगरुरु, नारायणपुरम, च्यागी, सलकलाकोंडा, हुव्वनूर	अदोनी	कर्नूल
37	मुसानहल्ली, कटारिकी, कम्मराचेडु, मणिकुर्ती, माराकद्दू	आलूर	कर्नूल
38	चिन्नाहोथुर	अस्पारी	कर्नूल

(बी) 765 केवी कर्नूल-III से कर्नूल-IV डी/सी टीएल:

क्र.सं.	गाँव का नाम	तहसील/मंडल	ज़िला
1	पेद्दा कुंटा, नंदीपाडु, तिम्मानायनीपेटा, बोयालाताडिपत्री, तोल्लामडुगु, इटिक्याला, कोरुमनिपल्ले, चिंतालवपल्ली, सतरियम चेन्नमपल्ले, अब्दुल्लापुरम, मदनंतपुरम, अंकिरेड्डीपल्ले, बंदरलापल्ले, तुम्मलापेंटा, मुच्चाला कोंडा, राघवराजुपल्ले, कनकाद्रिपल्ली, कलवतला	कोलिमिगुन्डला	नंद्याल
2	बोयावंडलापल्ली, नल्लामेकलापल्ली, जक्कासानिकुंटला, रचावंदलापल्ली, पयासमरंगरेड्डीपल्ली, रामपुरम, मामिलापल्ली, तेकुलकोंडा आरएफ, पोटेडोड्डी	पीपुली	नंद्याल
3	गद्दरगुट्टापल्ले, तलमिट्टापल्ले, बुग्गा, गोसुवारिपल्ले, कावेरीसमुद्रम, भोगसमुद्रम, अय्यावारिपल्ले, वेंकटमपल्ली, कोदुरु, ब्राह्मणपल्ले, तिम्मापल्ली	ताडिपत्री	अनंतपुर
4	चिंतामनुपल्ली, निट्टूरु, कोत्तापल्ली, चिक्केपल्ली, कमलापाडु, तिप्पारेड्डीपल्ली, तिरनामपल्ली, कोत्तलापल्ली, वेमुलापाडु, यादिकी, तुन्नल्लापल्ली, रामराजुपल्ली, कुरमाजीपेटा, टी.कोथापल्ली, कोत्तपल्ली, पेद्दापेटा, पिन्नापुरम, रायलाचेरुवु, यादिकी आरएफ, चिन्नापेटा, चंदना, रुमेकलापल्ली, केसवनायपेटा, लक्ष्मपल्ली, श्रीरंगपुरम, दयालमड्डुगु	याडिकी	अनंतपुर
5	चिन्ना गाजुलापल्ली, पेद्दागाजुलपल्ली, जक्कलचेरुवु, गोंडीपल्ली, थोंडापाडु, पेदोड्डी आरक्षित वन, पोदाडोड्डी, कराडिकोंडा, उबाचेरला, बाचुपल्ली, धर्मापुरम, बेसिनपल्ली, उटाकल्लू, बेतापल्ली, ओटाकल्लू, शंकरबंडा	गूटी	अनंतपुर
6	चिमलवागुपल्ली, धर्मापुरम, चिक्कपल्ले	पेद्दापप्पुर	अनंतपुर
7	एनिकाय्या कोंडा	पेद्दावडगुर	अनंतपुर
8	बासिनपल्ली, कोट्टलु, मदनंतपुरम, खाजीपुरम, जांबापल्ली, पेरावली, हम्पा, कांचाराडिन्ने, कांचराडिन्ने मंदिर, बोम्मनपल्ली, मद्दिकेरा, मद्दिकेरा अग्रहारम, एडावल्ली, डोनापाडु, बुरुजुला, वेंकटापुरम	मद्दिकेरा (ईस्ट)	कर्नूल
9	होसुरु, पुत्सकयालमदा, रामचन्द्रपुरम	पत्तिकोंडा	कर्नूल
10	बाटा तांडा, कदमागुंटला, चेरुवु तांडा, उप्परलापल्ली, सूर्या तांडा, बोलावनिपल्ली, एर्रागुडी, जपला तांडा, जोन्नागिरी, पगद्रयी, चिन्ना जोन्नागिरी, रामापुरम, रतना, तुग्गली, तुग्गली आरएफ, मामल्लाकुंटा, गिरिगटला, अमीनबाडु, चेन्नमपल्ली, कोत्तापल्ली, हुसैनपुरम, एर्रागुडी आरक्षित वन, गुंडाला तांडा, लक्ष्मी तांडा, मिड्डे तांडा, लम्बाडी तांडा	तुग्गली	कर्नूल
11	जोहारपुरम, चिन्नाहोतुरु	अस्पारी	कर्नूल
12	माडिगा कोट्टाला, तिक्कना कोट्टाला, मोलागावल्ली आरएस, मोलागावल्ली, पेद्दाहोतुरु, माराकद्दू, अंगसाकल्लू, तुमबालाबिदु, हलेबिदु, मणिकुर्ती, कतरिकी, कम्माराचेडु, मुसानहल्ली	आलुर	कर्नूल

(सी) 400 केवी विजयवाड़ा-नेल्लोर 400 केवी डी/सी लाइन का एलआईएलओ :

क्र.सं.	गाँव का नाम	तहसील/मंडल	ज़िला
1	मुत्तनपल्ले, मुनुमका आरएस, इंद्रगिरे, विप्परलापल्ले, मुनुमका, वडलामुदिवारीपालेम, अन्नावरम, परागतिचेरला, संतागुडीपाडु, कार्लाकुंटा, रामिरेड्डीपालेम, तुंगापाडु, रोंपिचेर्ला, कोनाकांचिवारीपालेम, चित्तिपोटुवारीपालेम, अलावला, मुत्तनापल्ले, सुब्बयापालेम, तुरुमेला, रैतुनगर, अन्नवरप्पाडु, विरावत्लम, संतमागुलुरु	रोंपिचेर्ला	पलनाडु
2	कद्दुबदिवारिपालेम, कोंडाकवुरु, अमीनसाहिबपालेम, गोनेपुडी, चिंतापालेम, बासिकापुरम, पेद्दा तुरकापालेम, एल्लामांडा, चिन्ना तुरकापालेम, गुरवायपलेम, अच्चम्मापालेम, तुराकापालेम, पेट्लुरिवारीपालेम, उप्पलापाडु, काकाने, उप्पलापाडु, अरवापल्ले, लिंगमगुंटला, विकुर्ती, अल्लुरिवारीपालेम, अन्नवरम, पालापाडु	नरसारावपेटा	पलनाडु
3	संतामागुलुरु आरएस, कामेपल्ले, पुट्टवारीपालेम, लक्ष्मीपुरम, मिन्निकल्लु, पट्टेपुरम, नेहरूनगर कॉलोनी, बांडीवारीपालेम, पमिदिमार्री, तांगेदुमल्ली, चवतपालेम, सज्जापुरम, मादिगापालेम, कोप्पारम, गुरिजेपल्ली	संतामगुलुरु	बापट्ला
4	कोप्पारापालेम, कोटावारीपालेम, सोमवारप्पाडु	बल्लिकुरवा	बापट्ला

रूट अलाइनमेंट की प्रतिलिपि नीचे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। एतद्द्वारा जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से दो महीने के भीतर यानी 03-08-2025 से पूर्व नीचे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तावित ट्रांसमिशन सिस्टम पर टिप्पणी/प्रतिवेदन दें। अधिक विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया निम्न से संपर्क करें:
प्रोजेक्ट इंचार्ज/सम्पर्क व्यक्ति : श्री ए.सी. शंकरैया, पद: मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रभारी, कर्नूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड फोन नंबर/नंबर: 9440908930
ईमेल आईडी: acsankaraiah@powergrid.in,
कार्यालय पता: पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, # 6-6-8/32 एवं 395ई, कवाड़ीगुडा मेन रोड, सिकंदराबाद-500080. तेलंगाना राज्य

कर्नूल-IV ट्रांसमिशन लिमिटेड
(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
कॉर्पोरेट कार्यालय: 'सौदामिनी', प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-29, गुरुग्राम-122001 (हरियाणा) फोन: 0124-257100-719
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016, दूरभाष: 011-26560112, 26560121

एक महारत्न पीएसयू

Key No. SR-I/PR/Advt-03/Public Notice-03/2025-26/OTS

पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण रोकना सामूहिक दायित्व : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण रोकने को सामूहिक दायित्व बताते हुए कहा है कि इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास करने की जरुरत हैं। बागड़े गुरुवार को स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में विज्ञान भारती और अन्य संस्थाओं के सहयोग से आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदूषण लोगों द्वारा ही बढ़ाया गया है, इसलिए इसे रोकने की जिम्मेदारी भी हम सबकी है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक दायित्व है और इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास हों। उन्होंने अधिक तापमान की चर्चा करते हुए कहा कि यह इसलिए रहता है कि पेड़ कम होते हैं।

पेड़ अधिक से अधिक लगे। आंकड़ों में नहीं, सघन वृक्षारोपण किया जाना चाहिए और जो पेड़ लगे उनकी गिनती बाद में वृक्ष रूप में पनपने के आधार पर हो। उन्होंने अमलतास पेड़ पर तमिलनाडु के शोधार्थियों की शोध का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पेड़ सर्वाधिक ऑक्सीजन देता है और जलाने पर सबसे कम कार्बन उत्सर्जन करता है।

इसलिए ऐसे पेड़ धरती पर अधिकाधिक लगें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के समाचार आते हैं, पर इनमें से जिंदा कितने रहते हैं इस बारे में भी जानकारी आनी चाहिए। उन्होंने जवाबदेही रखते हुए पेड़ लगाने, उसकी बाद में सार संभाल कर पनपने देने के लिए भी कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने हरियाली के लिए और पर्यावरण संरक्षण के लिए सबको सामूहिक दायित्व समझते हुए कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने जल संरक्षण के लिए भी गंभीर सोच रखते हुए कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि समुद्र को छोड़ दें तो केवल ढाई प्रतिशत पानी ही ऐसा उपलब्ध है जो पीने योग्य हैं। इसलिए इसको बचाना जरूरी है। बागड़े ने इससे पहले विज्ञान भारती द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को 'वृक्ष मित्र' पुरस्कार से सम्मानित किया। विज्ञान भारती के डा मेंघेद्र शर्मा ने बताया कि विज्ञान भारती पर्यावरण संरक्षण की सोच विकसित करने के साथ विज्ञान की भारतीय परंपरा का विकास कर रही है।

खीचनवासियों के पर्यावरण प्रेम को प्रणाम : शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर लोकसभा क्षेत्र के फलौदी तहसील के खीचन को अंतरराष्ट्रीय महत्व की 'वेटलैंड' सूची में शामिल करने पर खुशी जताते हुए खीचन ग्रामवासियों के पर्यावरण प्रेम को प्रणाम किया हैं। शेखावत ने खीचन को 'वेटलैंड' सूची में शामिल करने को खुशखबरी और उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस पर कहा कि खीचनवासियों का पर्यावरण प्रेम जगप्रसिद्ध है। यहां शिकार प्रतिबंधित है, जिसकी अनेक वर्षों से अक्षरशः पालना हो रही है। इस रियासत कालीन बसाहट में जल प्रबन्धन के भविष्योन्मुखी प्रबन्ध किए गए थे, जिन्हें विरासत की भांति सहेजा गया है। खीचन में हर साल साइबेरियन कुरजां पक्षी विशाल संख्या में प्रवास करते हैं, जिन्हें विशेष आतिथ्य मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिया विजन 'विकास भी-विरासत भी' इस अनूठे और समृद्ध गांव में जीवंत प्रतीत होता है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर खीचन और उदयपुर के मेनार को अंतरराष्ट्रीय महत्व की 'वेटलैंड' सूची में शामिल करने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे बहुत अच्छी खबर बताया और कहा था कि पर्यावरण संरक्षण में भारत की प्रगति बहुत तेजी से हो रही है और इसमें जनभागीदारी भी शामिल है।

राजस्थान को पानी के मामले में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार पानी के लिहाज से राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण के लिए मिलकर काम करने का भी आह्वान किया। वह विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जयपुर के रामगढ़ में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्य में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत बृहस्पतिवार को हुई।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा, जल ही जीवन है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम प्रकृति का संरक्षण करें।

उन्होंने कहा कि आज से शुरू हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत प्रदेशभर में जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि जन सहभागिता को बढ़ावा देते हुए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में ज्यादा से ज्यादा श्रमदान करें तथा परंपरागत जलस्रोतों को स्वच्छ बनाएं जिससे वर्षा जल का संचयन हो।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जमवारामगढ़ में सिंदूर का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं पानी की आवश्यकता को समझते हुए सरकार ने डेढ साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय किए हैं। उन्होंने कहा,''हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं।'

राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का आज होगा शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर पहली बार राजस्थान के वरिष्ठ नागरिक वातानुकूलित ट्रेन से रामेश्वरम की निशुल्क तीर्थयात्रा पर रवाना होंगे। इसके लिए वातानुकूलित और सुसज्जित राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन तैयार की गई है। राजस्थान की प्रकृति व संस्कृति के अनुरूप सुसज्जित यह ट्रेन बाहर से पैलेस ऑन व्हील्स से भी अधिक भव्य दिखेगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार को निर्जला एकादशी पर दुर्गापुरा (जयपुर) रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

इस ट्रेन में सवाई माधोपुर के रास्ते रामेश्वरम, मदुरै की तीर्थ यात्रा पर दो स्टेशनों से लगभग 800 तीर्थयात्री रवाना होंगे। वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रियों के आवास, भोजन इत्यादि की समस्त व्यवस्थाएँ देवस्थान विभाग द्वारा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना-2025 के अन्तर्गत बजट घोषणा अनुसार पहली बार वातानुकूलित ट्रेन से तीर्थयात्रा करायी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा कुल 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेन से यात्रा कराने की घोषणा की गयी है। आठ दिवसीय यात्रा में यह ट्रेन रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी ज्योतिर्लिंग, धनुषकोटि, ब्रह्मकुंड और मदुरै में प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर के दर्शन मुख्य रूप से कराएगी। देवस्थान विभाग की तीर्थयात्राओं में यह सर्वाधिक दूरी की यात्रा है। यात्रा में सभी यात्रियों की देख-रेख हेतु एक ट्रेन प्रभारी, प्रत्येक कोच में दो सरकारी कर्मचारी अनुदेशक, साथ ही एक डॉक्टर व दो नर्सिंग अधिकारी भी रहेंगे।

यात्रियों को अपने साथ ऑनलाइन भरे गये आवेदन-पत्र की हार्ड कॉपी (मय प्रमाणित चिकित्सीय प्रमाण-पत्र), मूल जनआधार / आधार कार्ड / दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आना होगा। साथ ही दैनिक उपयोग की सामग्री लानी होगी। भोजन, भ्रमण, यातायात व रुकने की व्यवस्था नि:शुल्क होगी।

यह प्रयास किया गया है कि राजस्थानी वरिष्ठजन इस ट्रेन में सवार होकर अपनी धरती व संस्कृति पर गर्व कर सकें, साथ ही यह ट्रेन जहां जाये, वहां अन्य लोगों को भी आकर्षित कर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा दे। राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन में कुल 14 कोच हैं, जिसमें 10 यात्री कोच हैं। राजस्थान के दुर्ग, पुरासम्पदा, मंदिर, नृत्य, वाद्य, उत्सव, कला आदि वैशिष्ट्य की थीम पर अलग-अलग डिब्बों को सजाया गया है। मरुधरा में सूर्योदय व सूर्यास्त की स्वर्णिम आभा को प्रदर्शित करने के लिए इसकी थीम में पीताभ केसरिया रंग को वरीयता दी गयी है।

सैंकड़ों टन पत्थर-मिट्टी के नीचे दबे दो युवकों की मौत, 9 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा । राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसे में दो युवकों की जान चली गई। यह हादसा जिले के बागौर क्षेत्र में स्थित एक अवैध रूप से संचालित फेल्सपार और क्वार्ट्ज खदान में हुआ। दोनों युवक अचानक ढही मिट्टी और पत्थर के नीचे दब गए। उनकी तलाश में करीब 9 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद गुरुवार सुबह उनके शव बाहर निकाले गए।

हादसा बुधवार शाम करीब 6 बजे हुआ, जब पुरोहितों का खेड़ा निवासी उदयलाल भील (25) और बाजिया खेड़ा निवासी राजकुमार जाट (26) चारागाह भूमि पर स्थित अवैध खदान में कार्यरत थे। अवैध खनन के चलते खदान की दीवारें अस्थिर थीं। अचानक भारी मात्रा में मिट्टी और पत्थर ढह गया, जिससे दोनों युवक खदान की गहराई में दब गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद मौके पर मौजूद मजदूरों और खदान संचालकों ने खुद से दबे युवकों को निकालने की कोशिश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। देर शाम पुलिस को सूचना दी गई। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम को अजमेर से बुलाया गया, लेकिन टीम को मौके पर पहुंचने में करीब 6 घंटे लग गए।

टीम रात करीब 12 बजे पहुंची, जिसके बाद बाकायदा रेस्क्यू शुरू किया गया। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे उदयलाल भील का और 9 बजे राजकुमार जाट का शव बाहर निकाला गया। दोनों को तुरंत भीलवाड़ा जिला अस्पताल की मोर्च्युरी में रखा गया। हादसे की खबर जैसे ही गांवों में पहुंची, दोनों के परिवारों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। सैकड़ों लोग अस्पताल और घटनास्थल पर जमा हो गए।

इस हादसे ने प्रशासन और माइनिंग विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि बागौर क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन चल रहा है। यहां की खदानें चारागाह भूमि पर स्थित हैं और इन्हें बिना अनुमति के चालू रखा गया है। पुलिस और खनन विभाग को इसकी जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

गंगा दशमी पर वंदे गंगा के जयकारों के साथ शुरू हुआ जल संरक्षण जन अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का शुभारंभ किया गया। डूंगरपुर जिला मुख्यालय पर गंगा दशमी के अवसर पर वंदे गंगे के जयकारों के साथ कलश यात्रा, प्रभात फेरी, श्रमदान एवं साइकिल रैली के साथ यह आयोजन हुआ। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण जयपुर से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किया गया जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गंगा दशमी और विश्व विश्व पर्यावरण दिवस को शुभ संयोग बताते हुए कहा कि यह वह देश है, जिसने दुनिया को राह दिखाई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण व प्रकृति का संरक्षण हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। नदी, पहाड़, पर्वत से लेकर प्रकृति पूजन भारतीय संस्कृति की परंपरा है। हमारे यहां नदियों को मां का दर्जा दिया गया है क्योंकि वह हमारी जीवन रेखा है। इसलिए प्रकृति का संरक्षण हमारा दायित्व है।

गुरूवार को जिला प्रशासन और जिलेवासियों द्वारा प्रभात फेरी के साथ साईकिल रैली निकाल गई। साथ ही, जागरूकता रैली सम्पन्न हुई। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला प्रशासन एवं नगर परिषद के संयुक्त तत्वाधान में पुरानी और ऐतिहासिक बावड़ियों रानी वाव तथा केला वाव की साफ सफाई कर श्रमदान किया गया। साथ ही कलश यात्रा एवं पीपल पूजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आगाज राजमाता विजिया राजे सिंधिया ऑडिटोरियम में जिला प्रभारी मंत्री एवं जनजाति क्षेत्र विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खराडी ने पुरातन काल से जीवनदायनी गंगा के महत्व को बताते हुए कहा कि जल संरक्षण आज की प्राथमिक आवश्यकता है। उन्होंने जल संरक्षण के लिए सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग, जल स्वावलम्बन अभियान, एनिकट, टेत्रंच आदि के निर्माण से बारिश के पानी को रोकने एवं भूमिगत जल स्तर को बढ़ावा देने की योजनाओं एवं प्रयासों पर विस्तार से जानकारी दी।

निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए 'राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप' सम्मेलन

जयपुर। राजस्थान सरकार पिछले साल के 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने, उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए 11-12 दिसंबर को यहां 'राइजिंग राजस्थान: पार्टनरशिप' सम्मेलन 2025' आयोजित करेगी। प्रमुख सचिव (उद्योग और वाणिज्य) अजिताभ शर्मा ने सम्मेलन की रूपरेखा और कार्यक्रम की तैयारियों की बुधवार को यहां समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान: पार्टनरशिप' सम्मेलन का मुख्य फोकस निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने, उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को प्रदर्शित करने और राज्य में उद्योग अनुकूल परिवेश को सामने लाने पर होगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग को सशक्त बनाने का एक प्रभावशाली मंच बनेगा।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन राज्य में किए गए निवेशों के ठोस कार्यान्वयन और विभिन्न सरकारी विभागों की आर्थिक विकास में भूमिका को सामने लाने का काम करेगा।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राजसमंद में किया 'वंदे गंगा अभियान' का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने गुरुवार को राजसमंद जिले में 'वंदे गंगा' (जल संरक्षण-जन अभियान) की भव्य शुरुआत की। उन्होंने यहां राजसमंद झील स्थित इरिगेशन पाल विधिवत पूजा अर्चना की और फिर जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत की। इससे पहले प्रभात फेरी और भव्य कलश यात्रा का भी आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं कलश लेकर इरिगेशन पाल पहुंची। उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने संबोधित करते हुए कहा कि त्याग, बलिदान, शक्ति और भक्ति की धरती राजसमंद पर आकर वे सदैव ही गौरवान्वित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक रूप से कई विशेषताओं को समेटे हुए हैं। यहाँ विभिन्न प्रकार के भौगोलिक क्षेत्र जैसे- मरुस्थल, शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क क्षेत्र, मैदानी क्षेत्र और हरे-भरे वन क्षेत्र विद्यमान हैं। हमारे यहाँ एक बड़े भू-भाग में पानी की समस्या होने से जल संरक्षण की परंपरा सदियों पुरानी रही है।

डॉ. बैरवा ने कहा कि राजस्थान के लोगों ने जल की महत्ता को गहराई से समझते हुए पारंपरिक जल संचयन प्रणालियां विकसित की, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। बावड़ियाँ, कुंड, तालाब, जोहड़, टांके, नाड़ी, खड़ीन जैसे जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण इस बात का प्रमाण हैं कि किस प्रकार राजस्थान के लोगों ने सीमित जल संसाधनों के बावजूद सामुदायिक भागीदारी से टिकाऊ समाधान खोजे। बावड़ियाँ और कुंड स्थापत्य कला का अद्वितीय उदाहरण होने के साथ-साथ जल भंडारण के महत्वपूर्ण साधन रहे हैं। इन परंपरागत जल संरचनाओं ने न केवल पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की, बल्कि सामाजिक समरसता और पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखा।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि आज के दौर में जब जल संकट गहराता जा रहा है, तब राजस्थान की ये पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें जल प्रबंधन की दिशा में लोक-आधारित समाधान अपनाने की प्रेरणा दे रही हैं। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसे प्रयास इन्हीं परंपराओं का रूप हैं। जहां एक ओर सरकार जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है, तो वहीं जल स्रोतों के संरक्षण के लिए विभिन्न पहल की गई है। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के माध्यम से हजारों जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है ताकि भूजल स्तर में वृद्धि हो सके।

डॉ. बैरवा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री महोदय के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को फलीभूत करते हुए सरकार ने वृक्षारोपण अभियान को पूरी गंभीरता से लेते हुए यह तय किया है कि पौधों को लगाने के बाद उनकी देखरेख भी सुनिश्चित हो ताकि वे छायादार वृक्ष बन सकें। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत गौरव और आनंद का विषय है कि आज सभी वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के शुभारंभ अवसर पर एकत्र हुए हैं। भारतीय संस्कृति में हम गंगा नदी को मां गंगा कह कर पुकारते हैं क्योंकि गंगा न सिर्फ जीवन दायिनी है बल्कि हमारी आस्था का भी प्रतीक है। मां गंगा के नाम से आरंभ यह अभियान माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी की दूरदर्शिता और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि हमारी संस्कृति में नदियों को माँ का दर्जा प्राप्त है और पर्यावरण को पूज्य भाव से देखा जाता है। जल हमारे जीवन का मूल तत्व है कृ लेकिन आज यही जल संकट की स्थिति में पहुँचता जा रहा है। इस चुनौती से निपटने का एकमात्र उपाय है।

जनजागरूकता और जनसहभागिता। अभियान के अंतर्गत रैली, रन फॉर एनवायरनमेंट, पौधारोपण, जल स्रोतों की सफाई, नेचर वॉक, तुलसी पौधा वितरण, श्रमदान, प्याऊ स्थापना, रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग की सफाई, निबंध, भाषण प्रतियोगिताएं, महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई, जल संरचनाओं का लोकार्पण और गाद निकासी, महिला समूहों की सहभागिता, अधिकाधिक फार्म पौण्ड की स्वीकृति और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान जैसे अनेक नवाचारात्मक प्रयास शामिल किए गए हैं।

जयपुर हवाई अड्डे के विकास के लिए 600 करोड़ रुपये की 14 परियोजनाएं शुरू

जयपुर। निजी क्षेत्र की कंपनी जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने जयपुर हवाई अड्डे पर यात्री सुविधा बढ़ाने और बढ़ते यात्री भार को देखते हुए बुनियादी ढांचे में सुधार का काम शुरू किया है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे को विभिन्न स्तर पर बेहतर बनाने और यात्रियों के समग्र अनुभव को बेहतर करने के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 14 परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर इन परियोजनाओं का उद्देश्य जयपुर हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि यह अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरे एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करे।

इसके तहत टर्मिनल-2 का विस्तार किया जा रहा है जो इसके बुनियादी ढांचे के विकास की योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जेआईएएल), अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। उन्होंने कहा, 15,000 वर्ग मीटर के विस्तार से मौजूदा टर्मिनल की कुल क्षमता में वृद्धि होगी।

वर्तमान में, टर्मिनल पर 39 चेक-इन काउंटर हैं। विस्तार के तहत 24 नए काउंटर शुरू करने की योजना है। इससे चेक-इन काउंटर की कुल संख्या 63 हो जाएगी, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नए चेक-इन काउंटर के अलावा हवाई अड्डे पर आठ अतिरिक्त 'सेल्फ-बैगेज ड्रॉप' (एसबीडी) काउंटर भी शुरू किए जा रहे हैं।

जो लोग राष्ट्रहित में काम करना पार्टी विरोधी समझते हैं, उन्हें खुद से सवाल करना चाहिए : थरूर

वाशिंगटन/भाषा। सांसद शशि थरूर ने उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि जो कोई भी यह मानता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना कोई पार्टी विरोधी गतिविधि है, उसे खुद से सवाल करने की जरूरत है। थरूर पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को भारत के रुख से अवगत कराने के लिए एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं और वह इस समय अमेरिका में हैं। कुछ कांग्रेस नेताओं ने पहलगाम हमले के बाद सरकार के रुख का समर्थन करने के लिए थरूर की आलोचना की है। कांग्रेस नेता को उनकी पार्टी के एक सहयोगी ने तो ''भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) का महाप्रवक्ता'' तक कह दिया।

थरूर ने बुधवार को 'पीटीआई वीडियोज' से एक साक्षात्कार में कहा, ''सच कहूं तो, जब कोई देश की सेवा कर रहा हो, तो मुझे नहीं लगता कि उसे इन चीजों के बारे में बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत है।''

जब उनसे पूछा गया कि भारत लौटने पर वह अपने आलोचकों को क्या संदेश देंगे, तो उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि जो कोई भी यह समझता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना किसी प्रकार की पार्टी विरोधी गतिविधि है, उसे हमसे नहीं, बल्कि खुद से सवाल करने की जरूरत है।''

कई बार कुछ मुद्दों पर थरूर की टिप्पणियां कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक रुख से भिन्न रही हैं।

गंगा को प्रदूषित करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : जल शक्ति मंत्री पाटिल

लखनऊ/बुलंदशहर/भाषा। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रत्येक नदी को 'मां' का दर्जा दिया गया है, ऐसे में उनका संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि श्रद्धा का विषय है। पाटिल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

एक बयान के मुताबिक यह कार्यक्रम 'नमामि गंगे' मिशन के तहत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के सतत विकास, नदी पुनरुद्धार, स्वच्छ पर्यावरण और युवा सहभागिता को लेकर प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना था। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक वृक्षारोपण अभियान से हुई, जिसमें जल शक्ति मंत्री पाटिल शामिल हुए। पाटिल ने अपने संबोधन में कहा, ''हमारी संस्कृति में प्रत्येक नदी को 'मां' कहा गया है। ऐसे में उनका संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि श्रद्धा का विषय है।''केंद्रीय मंत्री ने नदियों में फैल रहे प्लास्टिक प्रदूषण को समय की सबसे बड़ी चुनौती करार दिया। उन्होंने कहा, ''हमें प्रदूषण के स्रोत पर ही रोक लगानी होगी। प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करना होगा और जनजागरुकता फैलानी होगी। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी शक्ति है तब तक संरक्षण अधूरा रहेगा।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2014 में शुरू की गई नमामि गंगे परियोजना की सराहना की। पाटिल ने बताया कि गंगा बेसिन के हर कोने में गंदे पानी को शोधित करने के लिए अवजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) लगाए गए हैं, जिससे गंगा में सीधे प्रदूषण का प्रवाह रोका गया है।

संभल में बीमा घोटाला : ईडी ने पुलिस से मांगे दस्तावेज

संभल (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में बीमा राशि के दावे की रकम हड़पने के लिए बीमित व्यक्तियों की हत्या कराने से जुड़े मामले की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्थानीय पुलिस से सम्बन्धित दस्तावेज और दर्ज मुकदमों की प्रतियां मांगी है। अधिकारियों का कहना है कि एक अनुमान के मुताबिक यह गोरखधंधा 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का है।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) अनुकृति शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि घोटाले में शामिल गिरोह पर जनवरी से ही नजर रखी जा रही थी और इस मामले के सिलसिले में अब तक 52 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि 50 से अधिक आरोपी अब भी फरार हैं तथा तीन आरोपियों ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने पुष्टि की कि ईडी ने पुलिस से इस मामले से जुड़े दस्तावेज, दर्ज मुकदमों की प्रतियां और अन्य जानकारी मांगी थी जो उसे दे दी गयी है।

शर्मा ने बताया कि गिरोह के सदस्य आमतौर पर नौजवानों को निशाना बनाते थे और कुछ मामलों में जीवन बीमा राशि का दावा करने के लिए उनकी हत्या कर देते थे। अधिकारी ने बताया कि वे कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों से पीड़ित लोगों और यहां तक कि मृत लोगों के नाम पर बीमा पॉलिसी लेते थे और दस्तावेजों में हेराफेरी एवं जालसाजी करके स्वास्थ्य और जीवन बीमा कंपनियों से बीमे की रकम ऐंठने की साजिश रचते थे। शर्मा ने कहा कि इस घोटाले के तार कम से कम 12 अलग-अलग राज्यों से जुड़े हैं और इस मामले में अब तक 17 मुकदमे दर्ज किये गये हैं। इनमें हत्या के चार मामले शामिल हैं।

'भारत ने समुद्री अवसंरचना विकास के लिए 20 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक, बंदरगाह संपर्क और व्यापार सुविधा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 20 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है।

ओस्लो में नॉर-शिपिंग सम्मेलन में सोनोवाल ने भारत की बढ़ती समुद्री क्षमताओं का जिक्र किया। इसमें अनुकूल नीति प्रेरित निवेश वातावरण, सिद्ध किये गये जहाज विनिर्माण शक्ति और क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए अभिनव वित्तपोषण योजनाएं शामिल हैं। एक सरकारी बयान के अनुसार, मंत्री ने नाविक भर्ती के लिए अधिक से अधिक साझेदारी का भी आह्वान किया। सोनोवाल ने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी), पूर्वी समुद्री गलियारा (ईएमसी), और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) जैसे रणनीतिक गलियारों के साथ समुद्री संपर्क और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर भी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''भारत ने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक, बंदरगाह संपर्क और व्यापार सुविधा बढ़ाने पर केंद्रित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 20 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता जताई है।'' सोनोवाल ने कहा, ''नीतिगत प्रोत्साहन, व्यापार करने की आसानी और बुनियादी ढांचे में वृद्धि के माध्यम से, हम वर्ष 2047 तक भारत को शीर्ष पांच जहाज निर्माण देशों में से एक के रूप में उभरने की नींव रख रहे हैं।'' हरित और टिकाऊ समुद्री भविष्य की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत हरित हाइड्रोजन और इसके उत्पादों के विनिर्माण का समर्थन करने और समुद्री क्षेत्र में वैकल्पिक ईंधन के उपयोग में अग्रणी होने के लिए तीन गहरित हाइड्रोजन केंद्र पोर्ट - कांडला, तूतीकोरिन और पारादीप में स्थापित कर रहा है। सोनोवाल नॉर्वे और डेनमार्क की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

असमः हिमंत ने लोगों से मां के सम्मान में एक पौधा रोपने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सभी लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर अमल करने और अपनी मां के सम्मान में एक पौधा रोपने का आग्रह किया।

शर्मा ने यह भी कहा कि नए पोर्टल की मदद से अब राज्य में वन क्षेत्र के नुकसान की जानकारी अब वास्तविक समय में प्राप्त की जा सकेगी। इसकी मदद से तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पौधा रोपने के लिए प्रेरित किया है और 'हम असम में पूरे साल पौधा रोपण कार्यक्रम जारी रखेंगे।' विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज एक पोर्टल शुरू किया है, जहां लोग पौधा रोपण करने के बाद और समय-समय पर पौधे की वृद्धि के बारे में जानकारी अपलोड कर सकते हैं।'' शर्मा ने कहा कि उन्होंने एक और पोर्टल शुरू किया है, जहां कृत्रिम मेधा (एआई) और सैटेलाइट इमेज की मदद से जंगलों के कटान और वन क्षेत्र के नुकसान के बारे में वास्तविक समय में जानकारी प्राप्त की जा सकती है, इससे इन मामलों में तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने कहा, ''आमतौर पर हमें पूरा जंगल खत्म हो जाने के बाद जानकारी मिलती है, लेकिन इससे हमें वास्तविक समय में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।''

पर्यावरण संरक्षण को लेकर 'किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता' से ऊपर उठें : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण को 'हमारा पहला परिवार' बताते हुए लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए 'किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता' से ऊपर उठकर आगे बढ़ने और ईमानदारीपूर्ण नजरिया अपनाने का आग्रह किया।

यादव ने 'एक्स' पर एक लम्बी पोस्ट में जोर देकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण को किताबी प्रतिबद्धताओं या प्रतीकात्मक भावों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उसे प्रकृति के मूर्त और अमूर्त पहलुओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से वास्तविक कार्रवाई में तब्दील किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''पर्यावरण ही प्रथम परिवार है। पर्यावरण संरक्षण हमारा प्राकृतिक धर्म है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''आज पर्यावरण दिवस है। ये दिन है पर्यावरण के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता, वचनबद्धता और किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता से ऊपर उठकर कर्मठता के स्तर पर परिधिमय प्राकृतिक आवरण को बचाये-बनाए रखने का।''

यादव ने कहा, ''एक पर्यावरण हमारे आसपास होता है और एक वो भी होता है, जो हमारे देखने-छूने व अन्य इंद्रियों की क्षमताओं से परे होता है। हमें उसे भी बचाना है तभी ये धरा-धरती जीवनदायिनी बनी रहेगी।

प्रधानमंत्री ने अदाणी, चीन के सामने 'सरेंडर' किया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्योगपति गौतम अदाणी और चीन के सामने 'सरेंडर' (आत्मसमर्पण) कर दिया है। पार्टी नेता अजय कुमार ने कांग्रेस के 'नरेन्दर सरेंडर' वाले अभियान के तहत अदाणी समूह और चीन से जुड़े विषयों को लेकर आरोप लगाए। कांग्रेस के आरोपों पर फिलहाल अदाणी समूह या सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कुमार ने कहा, ''अदाणी और नरेन्द्र मोदी की जोड़ी ने शोले फिल्म के 'जय-वीरू' की जोड़ी को पीछे छोड़ दिया है। ट्रंप के सामने नरेन्द्र मोदी के 'सरेंडर' का जो सिलसिला चल रहा है, वो कई साल के अभ्यास के बाद हुआ है। उन्होंने दावा किया कि नरेन्द्र मोदी जहां भी जाते हैं या अदाणी जहां भी चाहते हैं, उनको ठेका मिल जाता है। कुमार ने सवाल किया, ''हमें समझ नहीं आता कि आखिर नरेन्द्र मोदी ने अदाणी के आगे सरेंडर क्यों कर दिया है? अदाणी के लिए मोदी ने देश को खतरे में क्यों डाल दिया है?'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मोदी का पूरा सरकारी तंत्र ये सुनिश्चित करता है कि अदाणी का कारोबार बढ़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया, ''नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद, मंगलुरु, जयपुर, लखनऊ, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम के हवाई अड्डे अदाणी को सौंप दिए।''

तेजस्वी ने नीतीश को पत्र लिखा, नये आरक्षण कानून की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की ताकि समाज के कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 85 फीसदी करने के लिए नये विधेयक पेश किए जा सकें।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने यह पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। पत्र में उन्होंने नीतीश सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी जब बिहार के उपमुख्यमंत्री थे, तब राज्य में कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 75 फीसदी कर दिया गया था। राजद नेता ने कहा है कि नये विधेयकों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए तत्काल केंद्र के पास भेजा जाना चाहिए। तेजस्वी ने याद दिलाया कि 2023 में पारित पिछले कानून को पटना उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। उच्च न्यायालय का कहना था कि आरक्षण में वृद्धि किसी वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर नहीं की गई थी, जो इस तरह की आवश्यकता को उजागर करे।

बिहार में आरक्षण में वृद्धि जाति सर्वेक्षण के आधार पर की गई थी, जिसमें 1931 की जनगणना की तुलना में राज्य में दलितों और पिछड़े वर्गों की आबादी में वृद्धि दिखाई गई थी। तेजस्वी ने तमिलनाडु का उदाहरण दिया, जहां 69 फीसदी आरक्षण लागू है।

अपनी ही पुत्री का कथित दुष्कर्म करवाने वाली महिला भाजपा नेता गिरफ्तार

हरिद्वार/भाषा। उत्तराखंड के हरिद्वार में सामने आयी एक चौंकाने वाली खबर में एक महिला भाजपा नेता को अपनी ही नाबालिग पुत्री का अपने पुरुष मित्र तथा उसके दोस्तों द्वारा कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामला सामने आने के बाद भाजपा ने महिला नेता को पार्टी से निष्कासित कर दिया है ।

हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने यहां बताया कि अपनी बेटी के साथ कथित तौर पर कई बार यह घिनौना कृत्य करवाने वाली महिला नेता को उसके पति द्वारा दर्ज कराई गयी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए यहां शिव मूर्ति के पास स्थित एक होटल से उसके पुरुष मित्र सुमित पटवाल के साथ बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया । उन्होंने बताया कि पटवाल के अन्य दोस्तों की तलाश की जा रही है ।

एसएसपी ने बताया कि रानीपुर क्षेत्र की फ्रेंडस कॉलोनी में रहने वाली पीड़िता के पिता ने रानीपुर कोतवाली में दर्ज तहरीर में बताया कि करीब साल भर से उनकी पत्नी उनसे अलग रह रही हैं जबकि उनकी 13 वर्षीय बेटी उनके साथ रहती है।

असम में बाढ़ से स्थिति गंभीर, सात लाख लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ के कारण स्थिति बृहस्पतिवार को भी गंभीर बनी रही और 21 जिलों में करीब सात लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य में प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि बाढ़ व भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है और बुधवार को दो लोगों की मौत की खबर है तथा कछार जिले में एक व्यक्ति लापता है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य भर में ब्रह्मपुत्र समेत नौ प्रमुख नदियां जबकि बराक नदी कछार जिले में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और इसकी सहायक नदियों का जलस्तर भी बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं।

मौजूदा समय में बाढ़ से 1,494 गांव प्रभावित हैं, जिनमें सबसे अधिक श्रीभूमि में 339 गांव, नागांव में 189, कछार में 166 और हैलाकांडी जिलों में 156 गांव शामिल हैं।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के बुलेटिन के अनुसार, श्रीभूमि सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है, क्योंकि यहां की 2,59,601 आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है जबकि हैलाकांडी में 1,72,439 और नागांव में 1,02,716 लोग पानी भर जाने की समस्या से जूझ रहे हैं।

बुलेटिन में बताया गया कि अब तक कुल 14977.99 हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ से जलमग्न हो गया है और करीब 5,15,737 मवेशी प्रभावित हुए हैं। जिला अधिकारियों ने 405 राहत शिविर स्थापित किये हैं, जहां 41,317 लोगों ने शरण ली है। उन्होंने 1,12,324 राहत वितरण केंद्र भी स्थापित किये हैं।

नीतीश सरकार न्याय नहीं, सिर्फ सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि बिहार में 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'डबल इंजन' सरकार राज्य को सुरक्षा, सम्मान और विकास नहीं दे पाई। उन्होंने यह दावा भी किया कि नीतीश सरकार न्याय नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने गया में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने उसके घर पहुंचे एक चिकित्सक की आरोपियों द्वारा कथित तौर पिटाई किए जाने की घटना और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा से संबंधित वीडियो को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोज़गारी और पलायन, यही नीतीश-भाजपा सरकार की असली पहचान बन चुकी है।'' उन्होंने दावा किया कि जनता को लाचार बनाकर सत्ता से चिपके रहना ही इनका एजेंडा है।

मैं कभी रोड शो का समर्थक नहीं था, 2007 में भी इसके पक्ष में नहीं था : गौतम गंभीर

मुंबई/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल खिताबी जीत के समारोह के आयोजन में शामिल सभी लोगों की बृहस्पतिवार को कड़ी आलोचना की। इस समारोह के दौरान मची भगदड़ के कारण 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी।

कोलकाता में दो आईपीएल खिताब जीतने वाले समारोहों और भारत के 2007 टी20 विश्व कप जीतने के अभियान का हिस्सा रहे गंभीर ने सभी से 'जिम्मेदार नागरिक' बनने और लोगों के इसके लिए तैयार नहीं होने की स्थिति में ऐसे समारोह का आयोजन नहीं करने का आग्रह किया। इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान गंभीर ने कहा, ''मैं कभी रोड शो के पक्ष में नहीं था। यहां तक कि 2007 में भी मैं इसके पक्ष में नहीं था। इसे बंद दरवाजे के पीछे या स्टेडियम में करें। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में ऐसा कुछ नहीं होगा।'' गंभीर ने इस पर टिप्पणी नहीं की कि इसके लिए कौन जिम्मेदार हैं या क्या पिछले कुछ वर्षों में प्रशंसकों की प्रकृति बदल गई है।

मुझे बहुत बुरा लग रहा है, जश्न से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं जिंदगियां : कपिल देव

बेंगलूरु/भाषा। महान ऑलराउंडर कपिल देव ने बृहस्पतिवार को आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान 11 प्रशंसकों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि 'जिंदगी जश्न से ज्यादा महत्वपूर्ण है' और सभी को भविष्य में उचित सावधानी बरतने की सलाह दी।

पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के आस-पास के इलाकों में करीब ढाई लाख लोग उमड़ पड़े लेकिन इसके बाद मची अफरातफरी में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। कारपोरेट कार्यक्रम के मौके पर कपिल ने पीटीआई से कहा, ''मुझे इस बात का बहुत बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि हमें एक-दूसरे से सीखना चाहिए। अगली बार जब ऐसा कुछ (विजय परेड) होगा तो लोगों को अधिक सचेत रहना चाहिए। लोग गलती करते हैं।''

मैं अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से ज्यादा दूर नहीं हूं: सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। पिछले काफी समय से लय हासिल करने की कोशिश कर रही ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने कहा कि वह सही रास्ते पर हैं और दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में अपना स्थान फिर से हासिल करने से ज्यादा दूर नहीं हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू इस सत्र में प्रदर्शन में निरंतरता के लिए संघर्ष कर रही हैं। इंडोनेशिया के दिग्गज कोच मुहम्मद हाफिज हाशिम की देख रेख में अभ्यास करने के बावजूद वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। सिंधू को बृहस्तीवार को निर्णायक गेम में 15-11 से आगे होने के बावजूद दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ 22-20, 10-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने इस मुकाबले के बाद कहा, '' मेरे पास एक नया कोच है। हमने जनवरी से एक साथ काम करना शुरू किया है। कई बार कोच और खिलाड़ी दोनों को एक-दूसरे को समझने में समय लगता है।'' सिंधु ने कहा, '' चीजें हालांकि सही दिशा में आगे बढ़ रहीं हैं और निश्चित रूप से सुधार की बहुत गुंजाइश है। मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं।'' इस 29 साल की खिलाड़ी को फरवरी में गुवाहाटी में अभ्यास के दौरान हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट लगी थी। उन्हें इस सत्र में थुई लिन्ह गुयेन, पुत्री कुसुमा वर्दानी और किम ग्यून जैसी खिलाड़ियों के खिलाफ भी टूर्नामेंटों के शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा है। सिंधू से जब पूछा गया कि उनके खेल का स्तर मौजूदा समय के शीर्ष खिलाड़ियों के मुकाबले कहां है तो उन्होंने कहा, '' मुझे पूरा विश्वास है कि मैं उनसे ज्यादा दूर नहीं हूं। मैं हालांकि एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान देने की कोशिश करती हूं।'' इस भारतीय खिलाड़ी ने कहा, '' अपनी गलतियों से सबक लेना जरूरी है क्योंकि हर टूर्नामेंट नया और अलग होता है। मैं और मेरे कोच खेल में सुधार के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही अपने खेल के शीर्ष पर पहुंच जाउंगी।'' सिंधू से पूछा गया कि करियर के इस स्तर पर वह अपने खेल की किन पहलुओं पर बदलाव करने के बारे में सोच रही है ।

सुविचार

कृष्ण ने राधा से प्रेम नहीं मांगा, उन्हें राधा की मुस्कान ही जीवन भर का साथ लगती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कब रुकेगा यह सिलसिला?

बेंगलूरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से रंग में भंग पड़ गया। लोग आरसीबी की जीत का जश्न मनाने आए थे। किसने सोचा था कि यह मातम में बदल जाएगा! दर्जनभर लोग काल का ग्रास बन गए। अगर समय रहते भीड़ प्रबंधन की ओर ध्यान दिया होता तो इस हादसे को टाला जा सकता था। अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। मुआवजे की घोषणा हो चुकी है। सोशल मीडिया पर संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। यह सब एक रस्म-अदायगी की तरह नहीं होना चाहिए। भविष्य में ऐसी घटनाएं कहीं न हों, इसके लिए पुख्ता इंतजाम होने चाहिएं। हमें स्वीकार करना होगा कि देश में भीड़ प्रबंधन के मामले में ढेरों खामियां हैं। कहीं व्यवस्थाओं में कमियां रह जाती हैं, कहीं जनता की ओर से अनुशासन का अभाव रह जाता है। कहीं ये दोनों ही बिंदु मिलकर अपने पीछे अप्रिय यादें छोड़ जाते हैं। इस साल तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। पिछले साल जुलाई में उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुए 'सत्संग' में मची भगदड़ के कारण 121 लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम 150 लोग घायल हो गए थे। देश में ऐसी छोटी-बड़ी कई घटनाएं हर साल होती हैं, जिन पर हंगामा तो खूब मचता है, लेकिन यह सिलसिला नहीं रुकता। इसे रोकना होगा। ऐसे ज्यादातर मामलों में यह देखने में आता है कि जिस जगह भगदड़ मचती है, वहां उसकी क्षमता से ज्यादा लोग होते हैं। इससे अव्यवस्था फैलती है, अनुशासन भंग होता है। सुरक्षाकर्मी मौजूद होते हैं, लेकिन वे भारी हुजूम को नियंत्रित नहीं कर पाते। उस दौरान एक क्षण ऐसा आता है, जब मामला हाथों से निकल जाता है।

जाहिर है कि क्षमता से ज्यादा भीड़ को संभालना आसान नहीं होता। अगर भविष्य में भगदड़ जैसी घटनाओं को होने से रोकना है तो सबसे पहले इस नियम का सख्ती से पालन करवाया जाए कि जगह की क्षमता से ज्यादा लोग इकट्ठे न हों। चाहे इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाए, ड्रोन्स के जरिए निगरानी की जाए या ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात करें। चिन्नास्वामी स्टेडियम की क्षमता 35,000 लोगों की बताई गई है, लेकिन दो लाख से ज्यादा लोग उमड़ आए थे। क्या प्रशासन इस बात का अंदाजा नहीं लगा पाया? भारत में क्रिकेट के प्रति लोगों का उत्साह किसी से छिपा हुआ नहीं है। जब बड़े मैच होते हैं तो लोग अपने कार्यस्थलों पर भी ताजा परिणाम जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। प्राय: आयोजकों को इस बात का मोह होता है कि जितने ज्यादा लोग जुटेंगे, कार्यक्रम की उतनी ज्यादा चर्चा होगी और वह उतना ही सफल माना जाएगा। उन्हें प्रशासन के साथ मिलकर यह भी देखना चाहिए कि इतनी भीड़ को संभाल भी सकेंगे या नहीं? आज भीड़ इकट्ठी करना कोई मुश्किल काम नहीं है। डेढ़-दो दशक पहले किसी कार्यक्रम में भीड़ जुटाने के लिए पर्चे बांटने होते थे, घर-घर जाकर निमंत्रण देना होता था। आज वॉट्सऐप ग्रुप में एक पोस्ट डालने की देर है, वह संदेश तुरंत उन लोगों के पास पहुंच जाता है। उसे खूब साझा भी किया जाता है। पूर्व में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं, जब किसी ने अपनी शादी का निमंत्रण पत्र सोशल मीडिया पर पोस्ट किया तो हजारों मेहमान आ गए। किसी यूट्यूबर ने अपने वीडियो संदेश में कह दिया कि मैं फलां दिन वहां आ रहा हूं। उधर निर्धारित समय से पहले ही इतनी भीड़ जुट गई कि हालात को संभालने में प्रशासन के पसीने छूट गए। इन घटनाओं से यह सबक लेना चाहिए कि आयोजन स्थल पर बाकी सब इंतजाम जरूर हों, लेकिन उतनी ही भीड़ जुटाने की अनुमति हो, जितनी संभाल सकें। कोशिश यह की जाए कि संबंधित जगह की क्षमता से कुछ कम भीड़ हो। जीवन अनमोल है। उसकी भरपाई किसी चीज से नहीं की जा सकती।

ट्वीटर टॉक

आज ब्यावर स्थित आशापुरा माता धाम परिसर में आयोजित सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव के समापन समारोह एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह आयोजन हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

-दीया कुमारी

पर्यावरण संरक्षण द्वारा ही आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है। यह देखकर खुशी होती है कि युवा वर्ग पर्यावरण के संरक्षण को लेकर बेहद जागरूक है और अनेक युवा पेड़,पौधों,तालाबों को बचाने का प्रयास निःस्वार्थ भाव से कर रहे हैं।

-अशोक गहलोत

आंकड़े सच बोलते हैं। पिछले एक साल में टू-व्हीलर की बिक्री 17% और कार की बिक्री 8.6% घट गई है। वहीं मोबाइल मार्केट 7% गिर गया है। दूसरी तरफ, ख़र्च और कर्ज़ - दोनों लगातार बढ़ रहे हैं: मकान का किराया, शिक्षा का खर्च, लगभग हर चीज़ महंगी होती जा रही है।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

नश्वरता का बोध

एक दिन कोई आदमी कबीर साहिब के घर गया, तो पता चला कि किसी मृतक के अंतिम संस्कार के लिए श्मशान गए हैं। आगंतुक ने कबीर के हुलिये के बारे में पूछा। कबीर की पत्नी ने बताया कि कबीर की पगड़ी में कलगी लगी हुई है। वह व्यक्ति श्मशान भूमि में गया, तो उसने देखा कि सबके सिर पर कलगियां टंगी हैं। वह चकराया कि कबीर को कैसे पहचाने और पूछे तो किससे पूछे, क्योंकि सब शोक में मौन थे। अंततः वह मृतक के दाह संस्कार के बाद लौट आया। नगर में पहुंच कर उसने देखा कि सब लोगों के सिर से कलगियां लुप्त हो गई हैं, केवल एक व्यक्ति के सिर पर कलगी बची है। वह निकट गया, तो पाया कि वही कबीर साहिब हैं। उसने कबीर को प्रणाम किया। कबीर ने पूछा, 'कहो, क्या कार्य है?' दर्शनार्थी बोला, 'महात्मन! मैं बड़ी दूर से आपके उपदेश सुनने आया हूं, सो कई बातें पूछूंगा। पहले यह बताइए कि श्मशान में तो सबके सिरों पर कलगियां थीं, फिर आपके सिवा धीरे-धीरे सबकी क्यों गायब हो गईं? यह कैसे हुआ?' कबीर बोले, 'वह कलगी रामनाम की थी। मृतक को ले जाते समय सबके हृदय में संसार की अनित्यता और रामनाम की सत्यता थी।

सामयिक

बेंगलूरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं।

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्दरामय्या क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है।

बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्दरामय्या के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकर्ताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं। हालाँकि भारत में बड़े आयोजनों के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की जाती हैं, फिर भी समय-समय पर कई कमियाँ उजागर होती रही हैं। लेकिन आरसीबी के चिन्नास्वामी स्टेडियम के जश्न के दौरान खामियां ही खामियां देखने को मिली। ऐसे बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन कोई आसान कार्य नहीं है। लाखों लोगों को नियंत्रित करने के लिये ठोस रणनीति, प्रशासनिक कौशल और अत्याधुनिक तकनीक की आवश्यकता होती है, जिसका इस आयोजन में सर्वथा अभाव रहा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

नजरिया

एक बार फिर से भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

राजेश जैन

मोबाइल-8890602744

फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में चल रहा है। लाखों लोगों की जान जा चुकी है, शहर उजड़ चुके हैं और अब दुनिया की नजरें इस सवाल पर टिकी हैं - आखिर कौन जीत रहा है यह युद्ध? क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के ताकतवर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मात दे रहे हैं या फिर रूस धीरे-धीरे अपनी रणनीति में सफल हो रहा है?

विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई बातचीत के बाद स्थिति और उलझ गई है। पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें सिर्फ एक ही बात स्वीकार है-यूक्रेन का सरेंडर। दूसरी ओर, यूक्रेन कुछ शर्तों पर रियायत देने को तैयार है, लेकिन रूस अपने कठोर रुख से टस से मस नहीं हो रहा। दूसरी ओर यूक्रेन, टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर, रूस को कड़ी टक्कर दे रहा है। हाल ही में यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रूस के बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। रूस ने सोचा भी नहीं होगा कि यूक्रेन रूस के 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस उड़ा सकता है, लेकिन उसने ऐसा किया। अब 5 एयरबेस पर हमले का नुकसान तो बड़ा है और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का गुस्सा भी स्वाभविक है। ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर से भड़कता दिख रहा है और शांति की उम्मीदें लगभग मंद हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस युद्ध में अब तक करीब 14 लाख लोग हताहत हो चुके हैं। यूक्रेन के 75 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे जा चुके हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रूस की कुर्स्क पर भारी कार्रवाई के बाद यूक्रेनी सेना को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए सूमी प्रांत पर हमला शुरू कर दिया है। सूमी की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यदि रूस इस पर कब्जा कर लेता है, तो वह सीधे कीव की ओर जमीनी हमला कर सकता है। इससे यूक्रेन की राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो जाएगी। फिलहाल, यूक्रेनी सेना रूस के कब्जे वाले इलाकों में जवाबी कार्रवाई कर रही है। उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों से तकनीकी और खुफिया जानकारी मिल रही है, जिससे उन्हें हमलों की रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन में अब अपने ही ड्रोन बनाने की फैक्ट्री और विशेषज्ञ तैयार हो चुके हैं। हालांकि यूक्रेन को आधुनिक तकनीक और समर्थन मिल रहा है, लेकिन उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जैसे ड्रोन हमले रूसी सेना को धीमा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह रोक नहीं सकते, -रूस लगातार मिसाइल और बमबारी करता जा रहा है, यूरोप और अमेरिका से हथियारों की सप्लाई बनाए रखना ओर नए हथियारों के लिए सैनिकों को ट्रेनिंग देना भी यूक्रेन के लिए बड़ी चुनौती है।

रूस की रणनीति अब यह है कि यूक्रेनी सेना की सप्लाई लाइन को काटा जाए, उन्हें घेरा जाए और धीरे-धीरे एक-एक इलाके पर कब्जा किया जाए। इसके लिए रूसी सेना छोटे-छोटे समूहों में काम कर रही है ताकि वे ड्रोन हमलों से बच सकें। यूक्रेन की गैर पारंपरिक रणनीतियां-जैसे लंबी दूरी तक ड्रोन से हमला-रूस के लिए परेशानी बन चुकी हैं, लेकिन रूस अब भी उनके खिलाफ कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाया है। इससे संकेत नहीं मिलते कि रूस हमला धीमा करने वाला है।

इस समय रूस ने 5 यूक्रेनी प्रांतों के 19 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इनमें से 12 प्रतिशत इलाके पर वह पहले ही 2014 में कब्जा कर चुका था। पुतिन की चाहत है कि यूक्रेन की 25 प्रतिशत जमीन रूस के अधीन आ जाए, जिसमें एक बफर ज़ोन भी शामिल हो। आपको बता दें कि रूस क्रीमिया पर 2014 में कब्जा कर चुका है लेकिन उसकी मांग सिर्फ क्रीमिया तक सीमित नहीं है, अब वह उन इलाकों को भी यूक्रेन से चाहता है, जिन पर उसकी सेना ने अभी तक कब्जा नहीं किया है, लेकिन रूस अपना दावा करता है। इसके अलावा, वह चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद यूक्रेन की सेना, उसके हथियार और उसकी सीमाएं नियंत्रित कर दी जाएं-कुछ-कुछ वैसा ही जैसा प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के साथ किया गया था। इस समय दोनों पक्षों के पास न तो निर्णायक जीत है और न ही शांति का कोई साफ रास्ता। इस लंबी और थकाऊ लड़ाई के बाद भी यह तय नहीं हो पाया है कि कौन जीत रहा है। रूस की धीमी लेकिन स्थायी बढ़त को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वहीं यूक्रेन भी टेक्नोलॉजी और नाटो समर्थन के दम पर लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। अगर किसी तरह से शांति समझौता हो भी जाता है, तब भी यह जरूरी नहीं कि संघर्ष थम जाएगा। जानकारों का मानना है कि यूक्रेन के भीतर गुरिल्ला युद्ध चलता रहेगा और नाटो देश रूस के लिए लंबे समय तक परेशानी बने रहेंगे। फिलहाल दुनिया को इंतजार है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा ?

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'छोटे कपड़े' पहनने वाली महिलाएं अच्छी नहीं लगतीं : कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर/भाषा

महिलाओं के 'छोटे कपड़े' पहनने की प्रवृत्ति को लेकर असहमति जताते हुए मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह भारतीय संस्कृति के मुताबिक महिलाओं को 'देवी का स्वरूप' मानते हैं। उन्होंने महिलाओं के छोटे कपड़ों से नेताओं के छोटे भाषण की तुलना करने वाली एक विदेशी कहावत को अनुचित करार देते हुए यह बात कही। विजयवर्गीय ने अपने गृहनगर इंदौर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थानीय इकाई के अध्यक्ष सुमित मिश्रा के संक्षिप्त उद्बोधन की तारीफ करते हुए कहा कि हमेशा छोटा भाषण ही दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,''देखिए, एक पाश्चात्य कहावत है जो अच्छी नहीं है, पर विदेशों में इस कहावत की बड़ी चर्चा होती हैवहां (विदेश में) ऐसा कहते हैं कि जिस प्रकार कम कपड़े पहनने वाली लड़की सुंदर होती है, उसी प्रकार कम भाषण देने वाला नेता भी बहुत बढ़िया होता है। विदेश में ऐसी एक कहावत है, लेकिन मैं इसका पालन नहीं करता हूं।'' काबीना मंत्री ने अपनी इस बात पर श्रोताओं के ठहाकों और तालियों के बीच कहा कि वह इस विदेशी कहावत को कतई उचित नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा,''मैं इस कहावत का पालन नहीं करता हूं। मैं तो यह मानता हूं कि हमारे यहां (भारत में) महिला, देवी का स्वरूप है।

स्नान

वाराणसी में गंगा दशहरा के अवसर पर दशाश्वमेध घाट पर श्रद्धालु डुबकी लगाते हुए।

पाकिस्तान के नेताओं ने ट्रंप की तारीफ की

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के प्रमुख बिलावल भुट्टो-जरदारी दोनों ने भारत के साथ हाल ही में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान तनाव कम करने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका होने का दावा करते हुए उनकी प्रशंसा की है।

नेताओं ने अमेरिका के साथ नए सिरे से द्विपक्षीय संबंधों के बारे में भी बात की और उससे दो परमाणु-शस्त्र संपन्न पड़ोसियों, भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापक वार्ता को सुगम बनाने का आग्रह किया।

भारत ने इस बात से इनकार किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष को रोकने के लिए बनी सहमति में कोई भूमिका निभाई थी। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे।

भारत द्विपक्षीय मुद्दों पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की बात लगातार खारिज करता रहा है।

प्रधानमंत्री शरीफ इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो-जरदारी बुधवार को वाशिंगटन में अमेरिका स्थित पाकिस्तानी पत्रकारों से बात कर रहे थे।

'डॉन' अखबार ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया कि हाल में चार दिनों तक भारत-पाक के बीच हुए सैन्य संघर्ष ने यह उजागर कर दिया है कि पहलगाम की घटना एक झूठा अभियान थी। शरीफ ने ट्रंप को संघर्ष विराम कराने में निर्णायक भूमिका निभाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने बिना किसी संदेह के यह दिखा दिया है कि वह शांति और लाभकारी व्यापारिक सौदों के पक्षधर हैं।

शरीफ ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप तनाव बढ़ाने के खिलाफ हैं। उन्होंने दावा किया, पहलगाम घटना की निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच के हमारे प्रस्ताव पर बदले में आक्रामकता का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत को ठोस सबूतों के साथ सामने आना चाहिए था और दुनिया को घटना के बारे में आश्वस्त करना चाहिए था।

अमेरिका को स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए शरीफ ने कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध नए सिरे से दोस्ती में प्रवेश कर रहे हैं और करीबी संपर्क फिर से शुरू हो रहे हैं।

गत 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। भारत ने छह-सात मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए।

दस मई को दोनों पक्षों के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति बनी।

'डॉन' ने यह भी लिखा कि बुधवार को वाशिंगटन की तीन दिवसीय यात्रा पर आए पूर्व विदेश मंत्री बिलावल पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष विराम को सुगम बनाने में मदद करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप 'श्रेय के हकदार हैं'। उन्होंने कहा, ''हमें इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति क्या कह रहे हैं। 10 अलग-अलग मौकों पर उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को सुगम बनाने का श्रेय लिया है - और यह सही भी है। वह उस श्रेय के हकदार हैं, क्योंकि यह उनके प्रयासों की वजह से ही संभव हो पाया।''

पूर्व विदेश मंत्री ने भारत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने लंबे समय से खुद को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 'सुरक्षा प्रदाता' के रूप में पेश किया है - एक अवधारणा जिसका अमेरिकी नीति निर्माताओं ने भी समर्थन किया है। उन्होंने कहा, ''चीन के प्रति संतुलन के रूप में भारत की अवधारणा अब खोखली लगती है। मेरा मानना है कि इस दृष्टिकोण का अब पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए।''

अभिनेत्री जान्हवी कपूर गुरुवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहुँचते ही फोटो खिंचवाती हुई।

हार्वर्ड बनाम ट्रंपः नए हमले के बीच चिंता और डर में जी रहे हैं अंतरराष्ट्रीय छात्र

बोस्टन (अमेरिका)/भाषा। बाहर आती एक दमकल गाड़ी; दरवाजे पर दस्तक देता एक मित्र, तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन की लाल व सफेद बत्तियां। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों का एक समूह, जिसमें प्रत्युष रावल और उनके मित्र शामिल थे, 22 मई को यहां पास के सोमरविल शहर में एक घर में एकत्र हुआ था। आमतौर पर सामान्य लगने वाली बातें भी उस दिन उनके बीच सामूहिक चिंता का कारण बन गईं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अचानक देश में रहने की उनकी कानूनी स्थिति को रद्द कर दिया, इसलिए छात्रों ने पूरी रात परेशानी और भय में बिताई। अदालतों के हस्तक्षेप से पहले, ये छात्र अगले 24 घंटों तक आउट-ऑफ-स्टेटस के रूप में रहे। यह शब्द उन लोगों के लिए प्रयोग किया जाता है जो अमेरिका में कानूनी रूप से प्रवेश करते हैं, लेकिन कुछ शर्तों को पूरा न कर पाने के कारण अपनी वैध स्थिति खो देते हैं। रावल ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, तब से एक अजीब सी बेचैनी हमारे आस-पास बनी हुई है। हममें से बहुत से लोग जो छात्र वीजा पर यहां हैं, उनके लिए यह बहुत वास्तविक था। एक झटके में सब कुछ बदल गया। हमें नहीं पता था कि क्या हो रहा है। रावल कहते हैं कि कुछ मौजूदा छात्र सक्रिय रूप से अपनी डिग्री को अन्य कॉलेजों में स्थानांतरित करने के बारे में सोच रहे थे, कुछ नौकरी की तलाश में थे, लेकिन उन सभी के लिए, उनके सपने टूट रहे थे।

होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने छात्र और विनिमय आगंतुक कार्यक्रम के तहत हार्वर्ड प्रमाणन को वापस ले लिया, जिससे विश्वविद्यालय पर नए विदेशी छात्रों को प्रवेश देने पर प्रभावी रूप से रोक लग गई और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय नामांकित छात्रों की कानूनी स्थिति को खतरा पैदा हो गया। ट्रंप प्रशासन के फैसलों से हार्वर्ड में पढ़ने वाले लगभग 6,800 अंतरराष्ट्रीय छात्रों के जीवन पर असर पड़ रहा है, जहां वे कुल छात्र संख्या का लगभग 27 प्रतिशत हैं। यहां भारतीय मूल के लगभग 800 छात्र हैं। हार्वर्ड ने कहा है कि वह अपने अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा के लिए लड़ेगा।

रावल ने कहा, मौजूदा छात्रों को नहीं पता कि उन्हें अपनी डिग्री पूरी करने की अनुमति मिलेगी या नहीं। यह उनके जीवन को झकझोर देने वाली बात है। मैं ऐसे कई दोस्तों को जानता हूं जिन्होंने यहां एडमिशन तो ले लिया है लेकिन अब वे इस पर पुनर्विचार कर रहे हैं। इस देश में बहुत अनिश्चितता है...सिर्फ हार्वर्ड के लिए ही नहीं बल्कि आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए भी। निशाना बनाए जाने की आशंका के कारण नाम न जाहिर करने की शर्त पर एक शोधकर्ता ने कहा, जब आप काम पर आते हैं तो आप विज्ञान के बारे में सोचते हैं। इनमें से बहुत से आदेश आपका ध्यान काम से हटा देते हैं क्योंकि आप इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि आगे क्या होगा।

'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' को खास शो मानते हैं प्रोसेनजीत चटर्जी

मुंबई/एजेन्सी

बंगाली फिल्मों के सुपरस्टार प्रोसेनजीत चटर्जी स्टार प्लस के आगामी शो 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' को खास शो मानते हैं। स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिये नया शो कभी नीम नीम कभी शहद शहद लेकर आ रहा है।

इस शो से बंगाली सिनेमा के दिग्गज अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी पहली बार हिंदी टीवी पर नजर आने वाले हैं। इतने सालों के फिल्मी अनुभव के साथ, वो अब छोटे पर्दे पर एक ऐसा किरदार लेकर आ रहे हैं जो नए ज़माने की सोच और परिवार की अहमियत दोनों को साथ लेकर चलेगा। इस खास मौके पर अपनी बात रखते हुए प्रोसेनजीत चटर्जी ने कहा, कई मायनों में यह मेरा पहला हिंदी प्रोजेक्ट है और ये वाकई मेरे लिए बहुत खास है। मेरे पिताजी 1960 के दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं। हिंदी सिनेमा से मेरा जुड़ाव नया नहीं है। आज जब हर कोई 'पैन-इंडिया' की बात कर रहा है, तो मैं सोचता हूं, ये सिर्फ फिल्मों या ओटीटी तक ही क्यों सीमित हो। टेलीविजन में भी पूरे भारत तक पहुंचने की ताकत है। प्रोसेनजीत चटर्जी ने कहा, हमारे देश में मराठी, बंगाली, पंजाबी और गुजराती इंडस्ट्रीज़ में जबरदस्त टैलेंट है। तो फिर उस टैलेंट को टेलीविजन पर क्यों नहीं दिखाया जाना चाहिए। यही सोच हमें यहां तक लेकर आई है। मैं स्टार प्लस का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने इस विज़न को सपोर्ट किया। और हां, राखी दी जैसी बेहतरीन स्टोरीटेलर के साथ काम करना अपने आप में खास है। हमने जो कॉन्सेप्ट चुना है, वो हमारे हिंदी में कदम रखने के लिए बिल्कुल सही है, कुछ ऐसा जो मायने रखता है और असर छोड़ता है। 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद', 06 जून से रात 8 बजे, सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

राजमाता की भूमिका निभाना सबसे अर्थपूर्ण अनुभवों में से एक रहा :

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे का कहना है कि 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजमाता की भूमिका निभाना उनके करियर के सबसे अर्थपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन अपने दर्शकों के लिए एक भव्य ऐतिहासिक गाथा 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' लेकर आ रहा है ,जिसका प्रसारण चार जून से हर सोमवार से शुक्रवार, रात 7:30 बजे किया जाएगा। इस ऐतिहासिक गाथा में दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे राजसी राजमाता की भूमिका में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। इस प्रतिष्ठित किरदार को जीवंत करने के लिए पद्मिनी ने गहन शोध किया और खुद को उस समय की ऐतिहासिक व भावनात्मक भावना में पूरी तरह डुबो दिया। पद्मिनी कोल्हापुरे ने प्राचीन ग्रंथों, लोक कथाओं और विद्वानों के लेखों का

अध्ययन कर उस रानी, माँ और रणनीतिकार की जटिल छवि को समझा, जो पृथ्वीराज चौहान की विरासत गढ़ने में एक प्रमुख स्तंभ रहीं। पद्मिनी कोल्हापुरे ने कहा, 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजमाता की भूमिका निभाना मेरे कॅरियर के सबसे अर्थपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। वह केवल एक ऐतिहासिक चरित्र नहीं हैं।

वह एक माँ हैं, एक मार्गदर्शक हैं, और भारत के सबसे महान योद्धाओं में से एक के पीछे एक सशक्त स्त्री हैं। उन्हें समझने के लिए मैंने केवल स्क्रिप्ट पर निर्भर नहीं किया।

मैंने ऐतिहासिक दस्तावेज़ पढ़े, लोक कथाएँ सुनीं, शोध लेख पढ़े और क्षेत्रीय डॉक्यूमेंट्रीज़ भी देखीं ताकि यह जान सकूं कि वह किस प्रकार का आचरण करती होंगी। दिलचस्प बात यह है कि अब मेरा फोन केवल पृथ्वीराज और उस युग से जुड़ी सामग्री ही सुझाता है मैंने उन पर इतनी रिसर्च की है। उनके भीतर की मौन शक्ति मुझे बहुत प्रभावित करती है। वह शायद युद्धभूमि पर नहीं थीं, लेकिन उनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण थी। एक माँ होने के नाते, मैं उनके भावनात्मक संघर्ष से खुद को जोड़ पाई। कठिन समय में अपने आप को संयमित रखना कितना चुनौतीपूर्ण रहा होगा। यह भूमिका निभाना एक बड़ी जिम्मेदारी है, और मैंने कोशिश की है कि हर हावभाव और हर क्षण में उनके सफर की सच्चाई झलकती रहे।

यदि दर्शक किरदार के मूल को समझ लें तो कलाकार की सराहना होती है : आशुतोष राणा

कोलकाता/भाषा। लोकप्रिय अभिनेता आशुतोष राणा का कहना है कि जब रंगमंच के दर्शक किसी किरदार के मूल को समझ जाते हैं तो स्वाभाविक रूप से कलाकार की सराहना होती है। राणा ने यह भी सुझाव दिया कि दर्शक कला से तब भी जुड़ते हैं जब वे किसी पात्र से प्रेम करने की बजाय उससे घृणा करते हैं। राणा ने ज्यादातर फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाएं निभाई हैं, जिससे उन्हें काफी लोकप्रियता मिली है। आशुतोष राणा इन दिनों रामायण पर आधारित नाटक 'हमारे राम' में रावण की भूमिका निभा रहे हैं। इस नाटक का मंचन देश के विभिन्न हिस्सों में किया जा रहा है। आशुतोष राणा ने 'पीटीआई-भाषा' से फोन पर एक साक्षात्कार में रंगमंच के दर्शकों को लेकर कहा, '' जब वे किसी पात्र के मूल को समझते हैं और उसमें दर्शाई गई कला की सराहना करते हैं तो स्वाभाविक रूप से कलाकार की सराहना होती है। मेरे लिए, सबसे

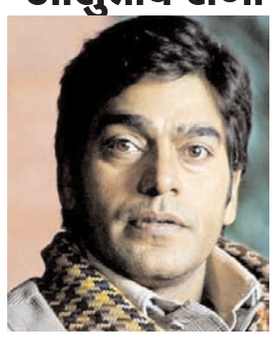

बड़ा पुरस्कार दर्शकों का प्यार या नफरत पाना नहीं है - यह दर्शकों द्वारा कला को पहचानना और उसका मूल्यांकन करना है।'' उन्होंने कहा कि रंगमंच के शौकीन लोग 'हमारे राम' को बार-बार देख रहे हैं, कुछ तो इस नाटक को 20 बार भी देख रहे हैं। कोलकाता में इस नाटक के मंचन के लिए आए राणा ने कहा, ''दर्शकों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली, वह प्रस्तुति और कलात्मक योग्यता के प्रति प्रशंसा को रेखांकित करती है।

युवा एक बेहतर दुनिया गढ़ रहे हैं, यह सशक्त अनुभव हैः संजना

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय अभिनेत्री और समाजसेवी संजना सांघी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के साथ अपने प्रभावशाली सहयोग के माध्यम से वैश्विक परिवर्तन की एक प्रमुख आवाज़ बनकर उभरी हैं। एक यूएनडीपी यूथ चैंपियन के रूप में, संजना अपने मंच का उपयोग युवाओं के सशक्तिकरण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए करती हैं। यूएनडीपी, जो संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख एजेंसी है, 170 से अधिक देशों में काम करती है ताकि गरीबी को समाप्त किया जा सके, असमानता को कम किया जा सके और समुदायों को सशक्त बनाकर उन्हें सतत भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। यह संगठन देशों को नीतियां बनाने, नेतृत्व मजबूत करने और क्षमताओं का निर्माण करने में मदद करता है, ताकि वे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल कर सकें।

संजना सांघी 2024 में यूएन मुख्यालय में यूएन महासभा को संबोधित करने वालीं सबसे युवा वक्ता बनीं। यह वही मंच है, जहाँ पहले प्रियंका चोपड़ा जोनास भी अपना संबोधन दे चुकी हैं। कॉलेज के दिनों से ही जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने के प्रयासों में सक्रिय रहीं संजना, आज एक वैश्विक अभियान का चेहरा बन चुकी हैं।

अपने अनुभव के बारे में बोलते हुए संजना ने कहा, यह बेहद प्रेरणादायक है कि युवा सिर्फ बेहतर दुनिया का सपना नहीं देख रहे हैं, बल्कि उसे सच करने की पुरजोर कोशिश में भी लगे हुए हैं।

यूएनडीपी के साथ मेरा सहयोग इन आवाज़ों को आगे बढ़ाने और उनके समाधानों के लिए मंच तैयार करने का एक माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि यूएनडीपी के साथ काम करना एक समृद्ध अनुभव रहा है और यह एक सौभाग्य की बात है कि वह एक ऐसे वैश्विक मिशन का हिस्सा हैं जो जीवन को सीधे प्रभावित करता है और अगली पीढ़ी को एक सतत भविष्य का निर्माता बनने के लिए सशक्त करता है, चाहे वह वंचित समुदायों के बीच शिक्षा का प्रसार हो या फिर युवाओं के बीच डिजिटल साक्षरता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना।

इस वर्ष संजना को यूएन मुख्यालय में आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्होंने 'युथ फॉर चेंज' अभियान का नेतृत्व किया, जो कि युवाओं को न्यायसंगत और समान दुनिया के निर्माण में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने वाला यूएन का प्रमुख वैश्विक अभियान है। यह पहल युवाओं को परिवर्तन के सक्रिय प्रतिनिधि के रूप में सामने लाने का प्रयास करती है और उन्हें महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों से जुड़ने तथा अभिनव समाधान देने के लिए प्रेरित करती है। अंततः संजना 2025 की युथ को:लैब का समापन समारोह शुरू करेंगी, जो इस अभियान का तीसरा सफल वर्ष होगा।

नीति आयोग के सहयोग से चलने वाली यह पहल प्रभाव-आधारित स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण इनक्यूबेटर का कार्य करती है। इसमें संजना की भागीदारी युवा सामाजिक उद्यमियों को सम्मानित करने और अगली पीढ़ी को सामाजिक भलाई के उद्देश्य से व्यापार निर्माण की प्रेरणा देने का कार्य करेगी। अपने सामाजिक कार्यों के अलावा संजना को न्यूयॉर्क सिटी से गहरा लगाव है।

वे अक्सर 'बिग एप्पल' लौटने की अपनी खुशी साझा करती हैं। सेंट्रल पार्क की सैर, टाइम्स स्क्वायर की गलियों में घूमना और मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट में प्रेरणादायक प्रदर्शनियों को देखना उनके प्रिय अनुभवों में शामिल हैं। संजना के लिए न्यूयॉर्क केवल वैश्विक सम्मेलनों का स्थान नहीं, बल्कि एक ऐसा शहर है, जो हर बार उनके जज़्बे को नया आयाम देता है।

अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होतीः आशी सिंह

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की जानीमानी अभिनेत्री आशी सिंह का कहना है कि शब्बीर अहलूवालिया और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इस बात का प्रमाण है कि अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती है। सोनी सब का आगामी शो 'उफ़्फ़... ये लव है मुश्किल' एक नई सोच और ताज़गी से भरी कहानी पेश करता है, जिसमें मुख्य भूमिका आशी सिंह (कैरी शर्मा) और शब्बीर आहलूवालिया निभा रहे हैं। इन दोनों किरदारों में लगभग 20 साल का उम्र का अंतर है, जिसे यह शो छिपाने की बजाय साहसिकता से अपनाता है। इसे ही अपनी कहानी का मूल तत्व बनाता है। यह सीरीज़ 9 जून से हर सोमवार से शनिवार, रात 8 बजे प्रसारित होगी और दर्शकों को एक नई, जमीनी और वास्तविक प्रेम कहानी से रूबरू कराएगी। कैरी शर्मा का किरदार निभा रहीं आशी सिंह ने कहा, शब्बीर और मेरी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इस बात का प्रमाण है कि अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती। मैंने उन्हें टीवी पर बड़े होते हुए देखा है; वह सिर्फ अपने काम के लिए नहीं, बल्कि हर किरदार को जो गरिमा और गहराई से निभाते हैं, उसके लिए भी मेरी प्रेरणा रहे हैं। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना, वह भी एक लीड एक्टर के रूप में, एक सपना पूरे होने जैसा लगता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि अपने कॅरियर के इस मुकाम पर मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। वह बेहद विनम्र और ज़मीन से जुड़े हुए हैं, जिससे सेट पर काम करना बहुत सहज और प्रेरणादायक हो जाता है। उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। उनकी टाइमिंग, कैमरे के सामने की सहजता, और उनका आत्मविश्वास। एक युवा कलाकार के रूप में यह अनुभव मेरे लिए बहुत बड़ी सौगात है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 06-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में मैसूर रोड स्थित डिविनिटी अपार्टमेंट में अर्हम मंत्र प्रेक्षा' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

आदर्श कॉलेज ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज चामराजपेट में कॉलेज के प्रथम वर्ष-2025 के विद्यार्थियों के लिए उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ एस प्रशांत ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए जीवन में अनुशासन का महत्व समझाया।

इसके साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों को राज्य शिक्षा नीति प्रशंसा से जुड़े नियमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में आदर्श समूह के अध्यक्ष पदमराज मेहता, सचिव जितेंद्र मरड़िया जी, उपाध्यक्ष संजय धारीवाल वह अन्य पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर गत वर्ष के विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों हेतु पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष पूर्णप्रज्ञा ने किया। प्रोफेसर रोहित ने धन्यवाद दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में संस्था के पदाधिकारियों ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण भी किया ।

मासिक बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी मंडल की अध्यक्ष कांता रायसोनी के बसवनगुड़ी निवास पर हुई जिसमें मंडल की सदस्याओं ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अनेक मनोरंजक खेलों का आंनद उठाया। कांता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया तथा पिंकी इसरानी ने धन्यवाद दिया।

स्वर्ण जयंती महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बालराई जैन संघ राजस्थान के तत्वावधान में आचार्यश्री अरविंदसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में श्री चन्द्रप्रभु जिन मंदिर का पंचाह्निका महामहोत्सव मनाया गया जिसमें बेंगलूरु के जैन बंधु मंडल के सदस्यों को रात्रि में परमात्मा की भक्ति करने का अवसर प्राप्त हुआ। बंधु मंडल के अध्यक्ष मनोज बाफना ने बालराई जैन संघ का धन्यवाद दिया। इस मौके पर बालराई संघ के दिलीप सुराणा सहित अनेक सदस्यों ने मंडल के सदस्यों का सम्मान किया।

संगठन में बड़ी शक्ति होती है : साध्वीश्री आज्ञानिधि

शहर में राजेन्द्र जैन बालिका परिषद की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एवेन्यू रोड स्थित श्री मुनिसुव्रत राजेन्द्र जैन श्वेतांबर मंदिर के प्रांगण में अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद शाखा के तत्वावधान में साध्वीआज्ञानिधि जी की निश्रा में बालिका परिषद का गठन किया गया। इस अवसर पर साध्वीजी ने कहा कि संगठन में बड़ी शक्ति होती है। संगठित परिवार समाज और संस्था कभी असफल नहीं होते हैं। आपसी आत्मीयता, प्रेम, स्नेह, वात्सल्य और एक दूसरे के सहयोग की भावना से समाज उन्नति कर सकता है। हमें संगठित होकर कार्य करना है। साध्वी ने बालिका परिषद के संस्थापक आचार्य जयंतसेनसूरीश्वरजी को याद करते हुए कहा कि दक्षिण भारत में ज्यादा से ज्यादा शाखा का शुभारंभ करना चाहिए। परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक प्रकाश हिराणी ने बालिका परिषद शाखा बेंगलूरु की विधिवत घोषणा की तथा अध्यक्ष के रूप में प्रियल गांधीमुथा, उपाध्यक्ष हर्षल सोलंकी, सचिव कल्पना सोलंकी, मंत्री कशिश भंसाली, प्रचार मंत्री दीक्षा जैन, शिक्षा मंत्री कीर्तिका चोपड़ा, सहसचिव याशिका जैन का चयन किया गया। भंवरलाल कटारिया ने श्री राज जयंत विहार ग्रुप की घोषणा की। महिला परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रेमादेवी गांधीमुथा ने परिषद के चार उद्देश्य जीवदया, शिक्षा प्रचार, मानवता, साधर्मिक सेवा को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय महामंत्री संगीता पोरवाल ने सभी नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संबंधित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। सभा का संचालन मंजू कोठारी ने किया।

शिशु दुग्धपान केंद्रों की स्थापना में एसबीआई ने किया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बेंगलूरु मंडल ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वों के तहत शहर में चार शिशु दुग्धपान (बेबी फीडिंग) केंद्रों की स्थापना के लिए चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन को सहायता दी है।

ये केंद्र बनशंकरी मेट्रो स्टेशन (ग्रीन लाइन), राष्ट्रीय विद्यालय रोड-आरवी रोड मेट्रो स्टेशन (ग्रीन लाइन), बेन्निगनहल्ली मेट्रो स्टेशन (पर्पल लाइन) और इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ में स्थापित किए गए हैं।

इस पहल का मकसद स्तनपान कराने वाली माताओं, खासकर कामकाजी महिलाओं और दैनिक यात्रियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और निजी स्थान उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने बच्चों को बिना किसी असुविधा के दुग्धपान करवा सकें। ये केंद्र अत्यधिक आवागमन वाले मेट्रो स्टेशनों और बच्चों के अस्पताल में स्थापित किए गए हैं, जहां इन सुविधाओं की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

बेन्निगनहल्ली मेट्रो स्टेशन पर निर्मित बेबी फीडिंग सेंटर का उद्घाटन 4 जून को बेंगलूरु मंडल की मुख्य महाप्रबंधक जूही स्मिता सिन्हा ने बीएमआरसीएल के मुख्य महाप्रबंधक लक्ष्मण सिंह और चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन के राजीव मेनन की मौजूदगी में किया। अधिकारियों ने बैंक के योगदान की तारीफ की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संत दर्शन

दिगम्बर संत आचार्यश्री सन्मतिसागरजी के शिष्य आचार्यश्री वर्धमानसागरजी अपने सहयोगी 12 संतों के साथ अरसीकेरे के दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ धाम पहुंचे और मंदिर के दर्शन कर आहार गोचरी ली। तीर्थ परिसर का अवलोकन करते आचार्यश्री ने निर्माणाधीन जिनालय एवं गुरु मंदिर का जायजा लिया। नाकोड़ा भैरव आराधना चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संतों का स्वागत किया।

अहिंसात्मक रूप से बकरीद मनाकर सद्भावना की मिसाल कायम करें : दयानंद स्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विश्व प्राणी कल्याण मंडल के संस्थापक अध्यक्ष एवं कर्नाटक गौसेवा आयोग के पूर्व सदस्य दयानंदस्वामी ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए कर्नाटक में सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के आदेश, कर्नाटक गौवंश एवं पशु हत्या प्रतिबंध कानून-2020 एवं कर्नाटक पशु बलि प्रतिबंध कानून-1959 का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के एवं किसी भी उम्र के गोवंश की हत्या एवं बलि पर रोक लगाने की बात कही ।उन्होंने बकरीद पर किसी भी प्रकार से गौवंश की बलि एवं पशुओं की कुर्बानी नहीं हो ऐसी पुख्ता प्रशासनिक व्यवस्था करने हेतु सरकार से निवेदन किया। दयानंद स्वामी ने समुदाय विशेष से निवेदन किया कि वे अहिंसात्मक रूप से बकरीद मनाकर सद्भावना की मिसाल कायम करें।

इस कार्यक्रम में कर्नाटक गौसेवा आयोग के पूर्व सदस्य उत्तमचंद छाजेड़, जैन संघ चामराजपेट के संचालकद्वय सुखवीरचंद कोठारी एवं सुरेशचंद्र रुणवाल, सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश मकाणा आदि की सहभागिता रही।

पर्यावरण दिवस पर विद्यार्थियों ने निकाली पदयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गुरुवार को जेपी नगर के जैन पब्लिक स्कूल में एक पर्यावरण जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा पाँचवीं से दसवीं कक्षा के 500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हाथों में पर्यावरण संरक्षण संबधी तख्तियाँ पकड़ का जागरूकता फैलाई। इस पांच किलोमीटर की पदयात्रा के दौरान बच्चों ने बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र के सांसद तेजस्वी सूर्या के कार्यालय के प्रतिनिधि को प्रदूषण कम करने व क्षेत्र में साफ सफाई व आवारा कुत्तों की परेशानियों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस यात्रा में विद्यालय की निर्देशक वीणा गौतमचंद, प्राचार्य मंजुला कमलेश आदि उपस्थित थे।

'अर्हम' स्वयं की अर्हताओं को जगाने का महामंत्र है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में मैसूर रोड स्थित डिविनिटी अपार्टमेंट में अर्हम मंत्र प्रेक्षा' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि 'अर्हम' स्वयं की अर्हताओं को जगाने का महामंत्र है। कर्मों को हराने का शस्त्र है, प्रतिभा को बढ़ाने का पथ है। अर्हम के प्रत्येक अक्षर के महत्व को साध्वीश्री ने उजागर किया। इसके प्रत्येक पदों में शक्ति होती है जो विशेष प्रकार की ध्वनि तरंगों को पैदा करती है, उसका प्रभाव हमारे चित्त की चंचलता को नियंत्रित कर सकता है। अर्हम का जप हमारे शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक तीनों स्तरों पर परिवर्तन लाता है। अर्हम के उच्चारण से हमारे भीतर अध्यात्म का जागरण होता है।

साध्वीश्री मार्दवयशाजी ने अर्हम के जप लयबद्धता के साथ करवाया। साध्वीश्री ने कहा कि ये प्रकंपन ऊर्जा पैदा करते हैं जिससे हमारे भीतर बिजली का संचार होता है, जो शरीर का अच्छे ढंग से संचालन करती है और हमारे मनोबल, संकल्प बल को बढ़ाने वाली होती है। साध्वीश्री ने कहा कि अर्हम का जप व ध्यान करें तथा अपनी कार्य क्षमता को बढ़ाते रहें। कार्यक्रम का संचालन प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका मंजू लूणिया ने किया तथा मेघना हिरण ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में महिला मंडल के पदाधिकारी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया एवं श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति थी।

मैसूरु जीतो ने पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के सरदार वल्लभभाईनगर स्थित जीतो गार्डन में जीतो मैसूरु चैप्टर द्वारा धरती माँ को सुंदर स्वस्थ एवं सुरक्षित रखने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर धरती माता की गोद भराई एवं पौधारोपण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष प्रकाश दक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, पूर्व चेयरमैन प्रवीन दांतेवाड़िया, कांतिलाल जैन, उपाध्यक्ष भेरूलाल पितलिया, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सचिव प्रेम पालरेचा, रमेश नवलखा, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, सहकोषाध्यक्ष गौतम बागमार, भंवरलाल लुंकड , जीतो लेडीज़ विंग की उपाध्यक्ष सरिता बागमार, मुख्य सचिव रजनी डाकलिया, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी कोठारी, ललिता पालरेचा एवं अन्य गणमान्य लोगों ने पोधारोपण किया तथा पर्यावरण दिवस मनाया।

व्यक्ति सुखी व दुखी अपने मन की सकारात्मक और नकारात्मक सोच से होता है : डॉ पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन टेनरी रोड स्थित मरुधर केसरी जैन स्थानक पहुंचे मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति सुखी व दुखी अपने मन की सकारात्मक और नकारात्मक सोच से होता है। व्यक्ति के भीतर व्यावहारिक शिक्षा व आध्यात्मिक ज्ञान का होना आवश्यक है, इसी से जीवन सफल व आनंदमय बीतता है। मुनिश्री ने 'ज्ञानी सुखी-अज्ञानी दुखी' इस विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि डिग्री युक्त ज्ञान अधूरा होता है उसके साथ अनुभवी संस्कार युक्त ज्ञान से जीवन में निखार आता है।

मुनिश्री ने नवकार मंत्र सवा लाख जाप करने की प्रेरणा दी। मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने गीत एवं वक्तव्य के माध्यम से अपने विचार रखे। हस्तीमल हिरण ने मुनिश्री का स्वागत करते हुए गीत प्रस्तुत किया। मुनिश्री की प्रेरणा से फ्रेजर टाउन, जीवनहल्ली, गगनहल्ली के श्रावक समाज के अनेक परिवारों ने जाप का संकल्प लिया। अनेक युवा सदस्यों ने मुनिश्री की विहार सेवा का लाभ लिया।

भगदड़ की घटना से बेंगलूरु की छवि खराब हुई, भाजपा राजनीति कर रही : डी के शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ के कारण लोगों की मौत होने की घटना के कारण भावुक हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस घटना से बेंगलूरु की छवि खराब हुई है।

विपक्ष का आरोप है कि पुलिस ने इस जश्न के आयोजन की अनुमति नहीं दी थी। शिवकुमार ने विपक्ष के इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''मैं इनमें से किसी भी भाजपा नेता पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मैं केवल कर्नाटक और देश के लोगों के प्रति जवाबदेह हूं। सभी भाजपा नेता बेतुके हैं...वे इन घटिया चीजों के मास्टरमाइंड' भी हैं।'' उन्होंने विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल -सेक्युलर (जेडीएस) पर शवों पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने घटना की पूरी जिम्मेदारी ली है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''हम बहुत दुखी हैं। पीड़ित हमारे अपने परिवार के लोग हैं। कर्नाटक की छवि, बेंगलूरु की छवि (खराब हुई है)...हां हम इसकी (जिम्मेदारी) लेते हैं। हम दूसरों को दोष नहीं दे रहे हैं, हालांकि यह बहुत अप्रत्याशित रूप से हुआ। किसी ने इतनी भीड़ आने का अनुमान नहीं लगाया था। (आरसीबी की जीत के इंतजार के) 18 साल के बाद, मुझे नहीं पता कि युवाओं में क्या उबल रहा था और वे सभी आ गए। यह चर्चा का विषय है... कुछ चीजें हुई हैं।''

उन्होंने कहा, ''मेरे मुख्यमंत्री भी सदमे में हैं, मेरे गृह मंत्री भी सदमे में हैं और पूरा राज्य सदमे में है। राज्य इस घटना पर शोक मना रहा है।'' अपनी बात रखते समय वह भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि इस घटना में मारे गए सभी लोग परिवार के सदस्य हैं और सरकार ने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी भीड़ उमड़ेगी। उन्होंने कहा, ''हमने कभी इतनी भीड़ उमड़ने का अनुमान नहीं लगाया था। कर्नाटक की छवि, बेंगलूरु की छवि खराब हुई है...परिवारों के सदस्यों की मौत हुई है।'' उन्होंने एक महिला द्वारा अपने बेटे के शव का पोस्टमार्टम न कराने के अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''भगदड़ में मारे गए एक बच्चे की मां ने कहा कि कृपया पोस्टमार्टम न करें, शव मुझे दे दें।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com